चैत्र कृष्ण पक्ष दशमी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 266 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
24 मार्च 2025 सोमवार

आज का मौसम
34 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

संसद के दोनों सदनों में आरक्षण पर भारी हंगामा

नईदिल्ली, एजेंसी

संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा हुआ। कर्नाटक के मुस्लिम आरक्षण पर राज्यसभा में ट्रेजरी बेंच के सदस्यों ने हंगामा किया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मुस्लिम आरक्षण के लिए बाबा साहब के बनाए संविधान को क्यों बदलना चाहती है जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जो संविधान की रक्षक बनती है. बाबा साहब ने स्पष्ट कहा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता लेकिन कांग्रेस की सरकार ने साउथ में मुस्लिम धर्म के लिए कॉन्ट्रैक्ट में चार फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया है। इस पर विपक्ष के नेता खड़गे ने कहा कि बाबा साहब ने देश का संविधान बनाया उसे कोई बदल नहीं सकता, इसकी रक्षा के लिए हमने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली है। यह किसने कहा कि हम संविधान बदलने जा रहे हैं। हंगामे के कारण लोकसभा व राज्यसभा की कार्यवाही काफी समय तक स्थगित करना पड़ी।

शेयर बाजार में तूफानी तेजी, 900 अंक का जंप

मुंबई, एजेंसी

इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन आज भी शेयर बाजार की तेजी से निवेशक हैरान भी हैं और खुश भी। बीते सप्ताह जबरदस्त बढ़त लेने के बाद आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स खुलने के साथ ही 900 अंक से ज्यादा उछल गया, तो वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी ने भी ओपन होते ही 250 अंक से ज्यादा की छलांग लगा दी। इस बीच पावर ग्रिड, एनटीपीसी से लेकर इरडा के शेयर तेज रफ्तार से भागते हुए नजर आए। मार्केट ओपन होने के साथ ही सेंसेक्स 77,456.27 के स्तर पर खुला था और कुछ ही देर में 77,498.29 तक पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में करीब 2175 कंपनियों के शेयरों ने तेजी के साथ हरे निशान पर कारोबार शुरू किया, तो वहीं 472 शेयर ऐसे थे, जिनकी ओपनिंग रेड जोन में गिरावट के साथ हुई, वहीं 178 शेयरों की स्थिति में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला।

योगाभ्यास व रनिंग के बाद योग गुरू की मौत

अशोकनगर, एजेंसी। योग गुरु के नाम से मशहूर और पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग शाढ़ैरा में वरिष्ठ पशु चिकित्सक एवं सर्जन डा. पवन सिंहल की साइलेंट हार्ट अटैक से मौत पर कई लोग अवाक हैं। नियमित दिनचर्या के अनुसार, उन्होंने सुबह घर पर एक घंटे योग किया, उसके बाद कार खड़ी करके तीन किलोमीटर तक दौड़ लगाई। वहां से योग कक्षा में जाने के लिए कार से निकले, लेकिन रास्ते में उनका निधन हो गया। 54 वर्षीय डॉ. सिंहल घर से करीब पौने पांच बजे शहर में स्थित तुलसी सरोवर पार्क में रोजाना की तरह होने वाली योग कक्षा में लोगों को योगाभ्यास कराने के लिए निकले थे। पार्क से करीब 100 मीटर की दूरी पर उनकी कार अचानक रुक गई। इस दौरान पार्क में उनकी योग कक्षा के विद्यार्थी रामस्वरूप शिवहरे भी दौड़ रहे थे। कुछ देर तक कार को खड़ी देखकर उन्हें कुछ संदेह हुआ। वह दौड़कर जब तक कार के पास पहुंचे तब तक डॉ. सिंहल अचेत हो चुके थे। योग कक्षा में शामिल होने पहुंचे एडीपीसी अनिल खंतवाल व अन्य लोग पहुंचे तो डॉ. सिंहल को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अब स्टैंडअप कॉमेडियन कामरा के स्टूडियो में शिंदे समर्थकों ने की तोड़फोड़

दोनों पक्षों पर केस दर्ज, वीडियो पर भड़का विवाद

मुंबई। अब स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में आज सुबह एफआईआर दर्ज की गई है। मुंबई पुलिस ने कामरा के खिलाफ सार्वजनिक अशांति भड़काने वाले बयान और धारा मानहानि के तहत केस दर्ज किया है। दरअसल, कामरा का महाराष्ट्र की राजनीति पर बनाया गया वीडियो विवादों में आ गया है। वीडियो में

कुणाल ने बिना नाम लिए डिप्टी एकनाथ शिंदे का मजाक उड़ाया था। कल वीडियो सामने आने के बाद शिंदे गुट के शिवसेना कार्यकर्ता भड़क गए थे और देर रात भारी संख्या में समर्थक मुंबई के खार स्थित द यूनिकॉन्टिनेंटल ऑफिस पहुंचे। दावा किया जा रहा है कि यहीं पर वीडियो शूट हुआ था। शिवसेना समर्थकों ने स्टूडियो में तोड़फोड़ की। इसके बाद शिकायत दर्ज कराने के लिए खार पुलिस स्टेशन पहुंचे। उनकी मांग है कि कुणाल कामरा को तुरंत अरेस्ट किया जाए। 40 शिवसेना कार्यकर्ताओं पर स्टूडियो व होटल में तोड़फोड़ का मामला दर्ज किया गया है। दरअसल कामराके वीडियो की इस लाइन पर विवाद भड़का-ठाणे की रिक्शा चेहरे पर दाढ़ी, आंखों पर चश्मा हाय! एक झलक दिखलाए कभी, गुवाहाटी में छुप जाए।

नागपुर हिंसा मामला: आरोपी के घर चला बुल्डोजर

नागपुर, एजेंसी

महाराष्ट्र के नागपुर में बीते सोमवार को भड़की हिंसा मामले में मास्टरमाइंड फहीम शमीम खान के घर पर आज बुलडोजर चल रहा है। बुलडोजर की कार्रवाई के लिए महानगरपालिका की टीम फहीम के घर सुबह ही पहुंच गई। आरोप है कि फहीम ने लोगों को उकसाकर भीड़ जुटाई थी। कोर्ट ने उसे 21 मार्च तक के लिए पुलिस कस्टडी में भेजा था।

पुलिस ने दावा किया है कि इस दंगे को भड़काने में मुख्य आरोपी फहीम शमीम खान का हाथ है. शमीम माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी का नागपुर शहर अध्यक्ष है। फहीम ने साल 2024 के लोकसभा चुनाव में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ चुनाव लड़ा था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि फहीम ने भड़काऊ भाषण देकर समुदाय के लोगों को उकसाया था, जिसके बाद नागपुर में

हिंसा भड़की। एफआईआर में भी उसका नाम दर्ज है। , फहीम नागपुर के संजय बाग कॉलोनी यशोधरा नगर का रहने वाला है। चुनावी मैदान में उतरने के बाद से ही वह राजनीतिक रूप से सक्रिय हो गया था और शहर में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा था।

आतंकियों की तलाश, फायरिंग के बीच दहशत बढ़ी

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू के कठुआ जिले में घने जंगलों में आतंकवादियों के खिलाफ चल रही सर्च ऑपरेशन दूसरे दिन आज जारी है। पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात के नेतृत्व में सुरक्षा बलों ने अतिरिक्त कमांडो, ड्रोन और स्निफर डॉग्स की मदद से ऑपरेशन को और तेज किया है। यह ऑपरेशन आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के बाद शुरू किया गया था। आतंकवादी नर्सरी इलाके में एक बाड़ा के अंदर छिपे हुए हैं, जो पाकिस्तान से लगभग 5 किमी दूर है। जब पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया, तो आतंकवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ हुई। अभी तक किसी भी तरह का बड़ा नुकसान नहीं हुआ है, और सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर रखा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, दो समूहों में पांच से छह आतंकवादी शनिवार को घुसपैठ कर सकते हैं। गांव की महिलाएं लकड़ी इकट्ठा करने के दौरान आतंकवादियों को देख चुकी हैं।

जेलेंस्की सरकार जल्द ही सत्ता खो सकती है - अर्थशास्त्री

कीव, एजेंसी

यूक्रेन की वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की की सरकार को शायद जल्द ही बदल दिया जाएगा क्योंकि उसके पास पर्याप्त सार्वजनिक समर्थन नहीं है और वह भ्रष्ट है। प्रसिद्ध अमेरिकी अर्थशास्त्री और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जेफरी सैक्स ने 'आरआईए नोवोस्ती' के साथ बातचीत में यह बात कही। जब श्री सैक्स से पूछा गया कि वह ज़ेलेंस्की के भविष्य को कैसे

देखते हैं, तो उन्होंने कहा, ''ज़ेलेंस्की सरकार जल्द ही सत्ता से बाहर हो जाएगी। सरकार मार्शल लॉ द्वारा शासन करती है, अपनी प्रमुख नीतियों में विफल रही है, कथित तौर पर अत्यधिक भ्रष्ट है, और उसे जनता का समर्थन नहीं है। ये स्थितियां राजनीतिक परिवर्तन की संभावना का संकेत देती हैं।'' प्रोफेसर ने कहा कि उनका दृष्टिकोण ''शासन-परिवर्तन संचालन के स त खिलाफ'' था और आंतरिक मामलों में गैर-हस्तक्षेप के संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांत को लागू किया जाना चाहिए। इससे पहले मार्च में मीडिया ने खबर दी थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्र प के वरिष्ठ सहयोगियों ने वलोडिमिर

मेट्रो एंकर जांच के बीच डीजी लोकायुक्त को हटाने का कड़ा फैसला, 15 आईपीएस के बदलाव में कई संकेत

छापे-जांच व मऊगंज की आंच बड़े बदलाव की वजह!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आखिरकार परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा मामले के बाद से प्रशासनिक गलियारों में जिस बात की खामोशी से चर्चा था वह हुआ भी है। सीएम मोहन यादव ने जिस तरह से पुलिस महकमे में शीर्ष पदों के लिये सर्जरी की है उससे कई संकेत और संदेश निकल रहे हैं। यह उनका सबसे बडा बदलाव माना जा रहा है। इस बार सियासी सिफारिशों को भी परे रखा गया है।

खासतौर पर रीवा में जिस तरह से बदलाव हुए हैं वह ऐसी ही सिफारिशों से अलग नजर आ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि देर रात सरकार ने सौरभ शर्मा मामले की जांच के बीच लोकायुक्त डीजी जयदीप प्रसाद को हटा दिया। अब यह जिम्मेदारी आईपीएस योगेश देशमुख देखेंगे जो अब तक गुप्त वार्ता का जिम्मा संभाल रहे थे, उनकी जगह आईपीएस आईपीएस ए साई मनोहर को लगाया गया है। इसी

तरह मउगंज में बीते दिनों कुछ आदिवासियों द्वारा एक घटना के बाद बंधक बनाए गए युवक के साथ मारपीट, उसे छुड़ाने के प्रयास में युवक और पुलिस के एक जवान की मौत के बाद रीवा रेंज के डीआईजी व प्रभारी आईजी साकेत प्रकाश पांडेय को हटाकर काफी समय बाद पीएचक्यू बुला लिया है। अब रीवा जोन की जिम्मेदारी गृह विभाग के सचिव आईपीएस गौरव राजपूत को मिली है। यहां तीन महीने से आईजी पद रिक्त था। जबकि मुख्यमंत्री के ओएसडी रहे आईपीएस राकेश गुप्ता को खेल का जिम्मा देकर भेजा है, नया ओएसडी अभी नियुक्त नहीं किया है। दरअसल, सौरभ शर्मा के खिलाफ कार्रवाई को आधाअधूरा जैसा माना जा रहा था। जिसका नुकसान यह हुआ कि दूसरी एजेंसियों को दखल देना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक उस कार्रवाई ने सरकार के लिए सिरदर्द बढ़ा दिया, अभी भी सरकार को विपक्ष घेर रहा है और सरकार बचाव की स्थिति में दिखाई दे रही है। दूसरी तरफ रीवा के मउगंज में कुछ आदिवासियों ने एक युवक को पकड़ा, पीटा, उसे पुलिस छुड़ा नहीं पाई। अंततः उसकी मौत् हो गई। जब पुलिस ने पकड़ने का प्रयास किया तो हमला हुआ, कई अफसर घायल हुए।

नई तस्वीर के पीछे...

माना जाता है कि डीजीपी कैलाश मकवाना के रीवा से लौटने के बाद मिले फीडबैक के बाद इस बदलाव की तैयारी तीन चार दिन से चल रही थी।अब इन बदलाव से पीचएक्यू में जमावट की नई तस्वीर उभरी है। इसमें मकवाना की पसंद भी नजर आ रही है। कृष्णा वेनी देसावतु को आइजी एसएएफ से सचिव गृह विभाग और राजेश सिंह को 25वीं वाहिनी से डीआइजी रीवा रेंज, व आदर्श कटियार को स्पेशल डीजी, प्रशासन बनाया है। सोनाली मिश्रा स्पेशल डीजी, चयन, रवि गुप्ता एडीजी रेल, संजीव शमी एडीजी, दूरसंचार व आशुतोष राय एडीजी अजाक, राजा बाबू सिंह एडीजी प्रशिक्षण व साईं मनोहर एडीजी गुप्त वार्ता तथा चंचल शेखर एडीजी एसएएफ पीएचक्यू बने हैं।

मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का आज आखिरी दिन

भाजपा विधायक को नोटिस पर कांग्रेस ने उठाई चर्चा की मांग

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का आज आखिरी दिन है और सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्य अपने विषयों के उठाने में जुटे हैं। आज कार्यवाही शुरू होने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. देवेंद्र प्रधान को श्रद्धांजलि के बाद सदन की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। फिर कार्यवाही दोबारा शुरू होते ही कांग्रेस विधायक सोहनलाल बाल्मीक ने भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय को सदन में दिए गए वक्तव्य पर भाजपा की ओर से जारी नोटिस का मामला उठा दिया तथा इस पर चर्चा की मांग कर डाली तो विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने प्रश्नकाल के बाद इस पर चर्चा की बात कही। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सदन के बाहर कहा- युवाओं को नौकरियों, पीएससी छात्रों की बात हो या किसानों को खाद-कर्ज की बात हो, सरकार नहीं चाहती कि आम जनता के मुद्दों पर बात की जाए। सरकार कर्ज ले रही है, घी पी रही है। बड़े-बड़े इवेंट करा रही है लेकिन आम जनता के लिए पैसे नहीं है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को विधानसभा में नगरीय विकास विभाग और राज्य विधानमंडल की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान सिरोंज विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा था कि वे विधायक के रूप में विधानसभा से वेतन नहीं लेंगे। माना जा रहा है कि आज वे विस अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को इस संबंध में पत्र भी सौंप सकते हैं कि उनके खाते में विधानसभा से वेतन न भेजा जाए।

केंद्र सरकार चला रही प्रदेश: सिंह

भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय को नोटिस के सवाल पर चुरहट से कांग्रेस विधायक अजय सिंह राहुल ने मीडिया से कहा कि जब पर्ची से मुख्यमंत्री बनता है, जिसको उम्मीद भी न हो, तो प्रदेश कौन चला रहा है? ये तो केंद्र सरकार चला रही है, ये तो नाम मात्र के मुख्यमंत्री हैं। वहीं जौरा से कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय ने कहा कि भोपाल नगर निगम कमिश्नर (बीएमसी) भाजपा के एजेंट हैं। हमारा कोई कार्यक्रम होगा तो रातोरात होर्डिंग-बैनर निकाल देंगे कि स्वच्छता का सर्वे चल रहा है। लेकिन पूरा भोपाल बीजेपी के बैनर-पोस्टरों से रंगा है, ये उनको नहीं दिख रहा है।

आदिवासी वेशभूषा में पहुंचे विधायक

आज धर्मपुरी से भाजपा विधायक कालू सिंह ठाकुर पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में विधानसभा पहुंचे। उन्होंने कहा- मैं इस बात से बेहद खुश हूं कि विधानसभा का सत्र जितने दिनों के लिए बुलाया गया था, उतने दिन चला। इसमें सत्तापक्ष और विपक्ष ने जनता से जुड़े प्रश्न उठाए।

जनता के मुद्दों पर बात करे सरकार

आलोट से भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय को पार्टी के शो-कॉज नोटिस पर नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा- ये उनका इंटरनल मामला है। लेकिन कोई विधायक विधानसभा में बात उठा रहा है तो तत्काल किसानों की बात सुनना चाहिए।

नोटिस नहीं मिला: वहीं भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय ने कहा है कि मैं बीजेपी का प्रतिबद्ध कार्यकर्ता हूं। मैंने जो कुछ कहा, वो सदन के अंदर का विषय है। पार्टी का नोटिस अभी मुझे प्राप्त नहीं हुआ है। प्राप्त होगा तो मैं उसके तथ्यानुरूप जवाब से पार्टी को अवगत कराऊंगा। ये पार्टी का आंतरिक विषय है। इसलिए इस पर टिप्पणी की जरूरत नहीं है।

कैबिनेट बैठक: सीएम ने दी निवेश की जानकारी

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आज कैबिनेट बैठक विस के सभाकक्ष में हुई। यादव ने निवेश प्रस्तावों पर मंत्रियो को बताया कि इन्हें मूर्त रूप देने के लिए गतिविधियां जारी हैं। इस क्रम में 21 मार्च को ग्वालियर क्षेत्र में 18 औद्योगिक इकाइयों का भूमि पूजन किया। जिनमे 11 मुरैना सात ग्वालियर और एक इकाई का भिंड में भूमि पूजन किया गया। कल उज्जैन संभाग के अंतर्गत उज्जैन की 13 और उज्जैन संभाग के अन्य स्थानों की 12 इकाइयों इस प्रकार कुल 25 इकाइयों का भूमि पूजन होने जा रहा है। यादव ने कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण व वन्य जीव संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। अब ओंकारेश्वर में 614 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में प्रदेश की 26वीं वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी विकसित की जा रही है। इसमें कोई गांव अथवा बसाहट नहीं है। भविष्य में इसे टाइगर रिजर्व के रूप में विकसित किया जाएगा। वहीं ग्रीष्म काल के चलते ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता की स्थिति की निरंतर समीक्षा करने तथा जहां आवश्यकता हो वहां त्वरित रूप से उपयुक्त व्यवस्था करने के के निर्देश भी उन्होंने दिये तथा कहा कि ओलावृष्टि से 400 से अधिक गांवों में फसल नुकसानी की सूचनाओं पर सर्वे कर शीघ्र आपदा राहत प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि संपूर्ण प्रदेश में 30 मार्च को गुड़ी पड़वा का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा,सभी मंत्री गुड़ीपड़वा पर उनके जिलों में होने वाले कार्यक्रमों में सहभागिता करें।

गंदगी का आलम...

भोपाल के ताजुल मस्जिद तालाब में गंदगी

राजधानी से 10 किलोमीटर दूर कॉलोनी निर्माण को अनुमति नहीं

शहर के बेवजह फैलाव को रोकने विकसित होगा नया सैंसेटिव जोन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

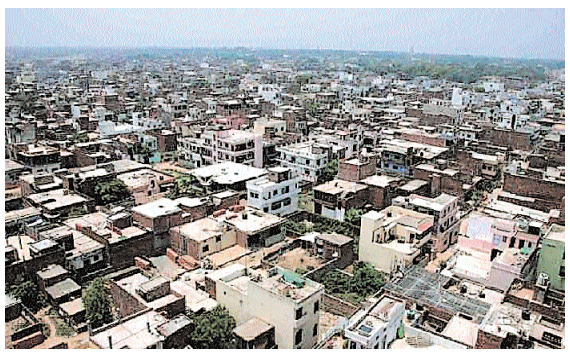

राजधानी के अर्बन प्लानिंग एरिया से बाहर पंचायत की अनुमति से अब कॉलोनी विकसित नहीं हो सकेंगी। टीएंडसीपी के साथ शहरी व ग्रामीण विभाग मिलकर शहरी सीमा से दस किमी तक नया सेंसेटिव जोन विकसित करने जा रहे हैं। दस किमी तक वही नियम लागू होंगे जो शहर के भीतर प्लानिंग एरिया में निर्माण करने पर होते हैं। इससे प्लानिंग एरिया से बाहर पंचायत से अनुमति लेकर मनमर्जी का निर्माण आसान नहीं होगा। शहर के भीतर किसी भी तरह के निर्माण के लिए 28 तरफ की अनुमति अनिवार्य है।

प्लानिंग एरिया में 60 फीसदी गांव: भोपाल का प्लानिंग एरिया 1016 वर्ग किमी है इसमें 60 फीसदी से अधिक ग्रामीण क्षेत्र है। शहर में टीएंडसीपी ने 11 जोनल क्षेत्र तय कर इसमें नगर निगम सीमा के 85 वार्डों को ही शामिल किया है। प्लानिंग एरिया में अवैध कॉलोनियों का निर्माण रोकने के लिए भी टीएंडसीपी तय नियमों की बजाय मप्र नगर पालिका कॉलोनाइजर का रजिस्ट्रेशन, निर्बंधन और शर्तें नियम 1998 के तहत कार्रवाई करती है।

विस्तार से ये नुकसान: जमीन की कम कीमत व अनुमतियों की ज्यादा झंझट नहीं होने से शहरी सीमा से बाहर ग्रामीण क्षेत्र में नई कॉलोनियां विकसित की जाती हैं। इससे सबसे बड़ी दिक्कत शहरी विकास की एजेंसियों को होती है। लोगों के लिए बिजली, पानी, सीवेज, सड़क, स्कूल, पार्क-मैदान जैसी सुविधाएं विकसित करने के लिए अतिरिक्त मशक्कत करना पड़ती है।

इस समय ऐसी स्थिति

- भोपाल में कोलार की तरफ कजलीखेड़ा और आगे तक कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। शहर के बीच से ये करीब 30 किमी तक दूर है।
- नीलबड़-रातीबड़ से कलखेड़ा, बरखेड़ा नाथू और आगे तक कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। ये शहर से करीब 22 किमी दूर हैं।
- करोद की ओर कोकता के आगे तक कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। ये भी शहर के बीच से 25 किमी से ज्यादा दूर है।
- इंदौर रोड पर भौंरी- खजूरी सड़क के आगे तक कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। ये शहर के बीच से 30 किमी तक आगे हैं।
- कोलार का पूरा उपनगर विकसित होने के बाद शासन को इसके लिए 400 करोड़ रुपए की लागत से सीवेज व पानी का नया सिस्टम विकसित करना पड़ा। अब कॉलोनियां कजलीखेड़ा तक विकसित होने और यहां लगातार बसाहटों से आगामी समय में फिर अतिरिक्त फंड के साथ सुविधाओं का विस्तार करना होगा।

भोपाल मास्टर प्लान

- 1016.90 वर्ग किमी प्लानिंग एरिया
- 248 नए गांव जोड़े गए
- 2005 में 175 गांव थे
- 813 वर्ग किमी से सीमा बढ़ाई थी
- 40 फीसदी क्षेत्र ही निगम के पास

फागुन मेला का आयोजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शाहपुरा हनुमान टेकरी भोपाल में सॉज वेलफेयर सोसायटी द्वारा अंतराष्ट्रीय महिला दिवस एवं फागुन मेला का आयोजन संस्था की अध्यक्ष रूचिता जैन एवं उनकी संस्था के सदस्यों द्वारा किया गया उनका कहना है कि हम बाहर से कोई फंड नहीं ले रहे जो भी कर रहे हैं आपस में मिलकर कुछ पैसे इकट्ठे करके बस्तियों के बच्चे एवं महिला बुजुर्गों की सेवा कर रहे हैं हमारा उद्देश्य है कि महिलाएं अपने क्षेत्र में उच्च शिखर तक अपनी मेहनत अपने हुनर के बल पर स्वावलंबी बने बस्तियों के बच्चे शिक्षित हो और एक नई ऊंचाई को छुए यह सतत प्रयास हमारी संस्था द्वारा निरंतर बना रहता है हमारे इस सेवा के कार्य में हमारे समिति के सदस्यों का ब?ा योगदान रहा है। सांज वेलफेयर सोसायटी की स्थापना 12 अक्टूबर 2018 को संस्था की अध्यक्ष श्रीमति रुचिता जैन द्वारा अपनी मां श्रीमती रूपा जैन से प्रेरित हो करके की थी संस्था का मुख्य उद्देशय स्लम एरिया के बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करना, बच्चे एवं महिलाएं जो गरीब बस्ती में निवास करते है उनको स्वाबलम्बी बनाने के लिए संस्था समय-समय पर विशेष आयोजन कर शिक्षा एवं हुनर के लिए प्रेरित करती है एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयत्नशील रहती है। साथ ही पशु पक्षियों की सेवा एवं पी?त मानव के उद्धार के लिए लोगों को जागरुक करना संस्था का विशेष उद्देश्य है सांज का घर बनाना जिसमें वृद्धो एवं बच्चों को प्यार मिले एवं अच्छे सनातनी संस्कार मिले हमारी भारतीय संस्कृति को हर एक बच्चे तक पहुंचाना सांज वेलफेयर सोसाइटी का सतत प्रयत्न रहता है गरीब परिवार की बच्चियों की शादी विवाह में मदद करना भी एक उद्देश्य है। इस कार्यक्रम में 12 महिलायें जिनको गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

हेमू कालानी युवाओं की प्रेरणा: गेहानी

शहीद हेमू कालानी की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्कूल में शहीद हेमू कालानी की जयंती व शहीद भगत सिंह, शहीद सुखदेव, शहीद राजगुरु का बलिदान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत हेमू कालानी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि इस देश को हेमू कालानी जैसे युवाओं की जरुरत है, अपने लिए तो सब जीते हैं लेकिन जीवन उसी का सफल होता है जो दूसरों के लिए जीते हैं, संसार में आए हो तो कुछ कर के जाना। हेमू कालानी जैसे वीर पर हमारी सिंधी जाति को गर्व है, अपनी जाति, धर्म और संस्कृति को बनाए रखना ही हमारा कर्तव्य है, आइए आज के दिन यह संकल्प लें कि हेमू कालानी के पद चिन्हों पर चलकर अपने देश की रक्षा हेतु सदैव तत्पर रहेंगे। विद्यालय की शिक्षिका याशिका ने विचार व्यक्त किए। रितु ओझा एवं अनुश्री द्वारा देश भक्ति गीत ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुर्बानी गीत गाया। इस अवसर पर शिक्षिका ममता जनियानी ने आओ आज बताती हूं ये हेमू की अमर कहानी अमर कहानी कविता प्रस्तुत की।

विद्यालय की प्राचार्या सुतापा जॉयसवाल ने बताया कि हम ऐसे देश में रहते हैं जहां हेमू कालानी और उनकी तरह कई देश भक्तोंने हमें आजादी दिलवाने में अपने प्राणों की बाजी लगा दी। कार्यक्रम के अंत में शिक्षक, शिक्षिकाओं द्वारा शहीद भगत सिंह, शहीद सुखदेव, शहीद राजगुरु को श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर दीपा आहूजा, रुपाली मेशराम आदि शिक्षक, शिक्षिकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का मंच संचालन भावना कलवानी एवं आभार उपप्राचार्या सुतापा जॉयसवाल द्वारा व्यक्त किया गया।

सिंधी मैराथन में हजारों सिंधीजन दौड़े

सिंधी मेला समिति ने पहली बार आयोजित की मैराथन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में सिंधी मेला समिति ने पहली बार सिंधी मैराथन का आयोजन किया, 2000 हजार से ज्यादा लोगों ने में हिस्सा लिया। लालघाटी स्थित सनसिटी गार्डन से शुरू हुई सिंधी मैराथन में लालघाटी चौराहे से लेकर वीआईपी रोड होते हुये रनर्स वापस सनसिटी गार्डन फिनिश लाइन तक पहुंचें। मैराथन में रनर्स को साइकल से वॉलेंटियर्स रास्ता गाइड करते हुए चल रहे थे। मैराथन सुबह सात बजे शुरू हुई, विधायक भगवानदास सबनानी व विश्व विजेता व पद्मभूषण पंकज आडवाणी, मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने धावकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। समाजसेवी जयकिशन लालचंदानी, किशोर तनवानी, जीसी केवलरामानी मौजूद थे। सबनानी ने कहा कि सिंधी मेला समिति द्वारा आज शहीद हेमू कालानी के जन्म दिवस पर इस नई पहल को सिंधी मैराथन के नाम से शुरू किया यह अपने आप में सिंधी मेला समिति के लिए गौरव का विषय है, आज यहां इतनी बड़ी तादाद में सिंधी समाज के युवाओं, महिलाओं व बच्चों ने इतने उत्साह से भाग लिया है जो कबीले तारीफ है। पंकज आडवाणी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से समाज में खेल के प्रति जागरुकता बढ़ती है, समिति अध्यक्ष मनीष दरयानी, महासचिव नरेश तलरेजा और टीम को सफल कार्यक्रम के लिए बधाई दी। सिंधी मैराथन में प्रथम, द्वितीय और तृतीय आने वाले रनर्स को शील्ड व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मैराथन के बीच जुम्बा वर्कशॉप: कार्यक्रम की शुरुआत जोश भर देने डी.जे कपिल सचदेवा के म्यूजिक से हुआ, इस दौरान विशाल फ़िटनेस व मुस्कान फिटनेस वर्कशॉप का भी वर्कशॉप में छोटे-छोटे बच्चे भी नाचते गाते इंजॉय करते दिखे।

इनकी रही मेहनत: कार्यक्रम के संयोजक कपिल भाटिया और सह संयोजक राम आसुदानी के साथ समिति के 50 से ज्यादा वालंटियर्स सीमा सबनानी, माया पंजवानी, कविता इसरानी, भारती ठाकुर,शकुन देवरख्यानी, मीना भागचंदानी, किरण बत्रा, पूजा भाटिया, भावना जगवानी, सिया आसुदानी, दिव्या दरयानी, रेखा कमल, दीपक राजानी, मोहित शेवानी, रवि आनंद, कविता चांदवानी, कमलेश चांदवानी, सुनील किंगरानी, सुनील मंगवानी, करन भागचंदानी, परमवीर चावला, हरीश मेंघानी,मोहित शेवानी की देखरेख में दौड़ पूरी हुई।

'तारक मेहता उलटा चश्मा' की बबीताजी भोपाल आएंगी

सिंधु सेना के 'एक शाम सिंधियत' का होंगी आकर्षण

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव चेतीचाँद के उपलक्ष्य में सिंधु सेना द्वारा 26 मार्च को शाम 07 बजे भोपाल के लालघाटी स्थित स्वागत गार्डन में 'एक शाम सिंधियत के नाम' कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष इस आयोजन में मूनमून दत्ता (तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम) बबीता को मुख्य रूप से आमंत्रित किया गया है, इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय युवा गायक जतिन उदासी (मुंबई) द्वारा सिंधी गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी जायेंगी, इसके अलावा मंकी मेन के नाम से पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाने वाले गुजरात अहमदाबाद के जैकी वाधवानी को भी लोगों के मनोरंजन के लिए विशेष रूप से इन कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। सिंधु सेना के अध्यक्ष व इस कार्यक्रम के संयोजक राकेश कुकरेजा ने बताया कि इस वर्ष 'एक शाम सिंधियत के नाम' कार्यक्रम सिंधियत के एक अलग ही समावेश में दिखाई देगा। भोपाल के इतिहास में पहली बार भगवान श्री झूलेलाल की महाआरती डमरू वादको द्वारा बड़े ही भव्य स्वरूप में की जायेंगी, कार्यक्रम मे प्रवेश निशुल्क रहेगा। पारिवारिक वातावरण में स्वादिष्ठ व्यंजन एवं फायर शो का भी आयोजन किया गया है।

मेट्रो एंकर | शहीद हेमू को पूज्य सिंधी पंचायत ने याद किया

हेमू कालाणी समाज व राष्ट्र के गौरव थे - रामेश्वर

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत ने शहीद हेमू कालाणी का 102वां जन्मदिवस मनाया। मुख्य कार्यक्रम अमर शहीद हेमू कालाणी स्टेडियम स्थित हेमू कालाणी की आदमकद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। मुख्य अतिथि विधायक रामेश्वर शर्मा ने वतन के बहादुर सुपुत्र अमर शहीद हेमू कालाणी को समाज और राष्ट्र का गौरव बताया जिसने हसते हसते देश की आजादी के लिए मात्र 19 वर्ष की आयु में कुर्बानी दी। शर्मा ने कहा कि हेमू कालाणी के माता पिता को नमन करता हूं जिसके इकलौते सुपुत्र होनहार बहादुर व संस्कारवान विधार्थी के बावजूद अपनी गौद खाली कर देश के लिए शहीद होने का गर्व बताया कि युवाओ को भी अमर शहीद हेमू कालाणी की शहादत से प्रेरणा लेना चाहिए। ताकि हमारा भारत देश और शक्तिशाली बने। आज ही देश के महानवीर व योद्धा सरदार भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु आज शाहिदी दिवस है। जिन्होने देश की आजादी के लिए अपनी जान न्यौच्छावर कर ली एवं अंग्रेज सरकार ने आज ही के दिन फासी की सजा दी। शहीद हेमू कालाणी शहीद भगतसिंह के बताए मार्ग पर चले। पंचायत के अध्यक्ष माधू चांदवानी ने हेमू कालाणी के व्यक्तित्व एवं आजादी के लिए दी कुर्बानी पर विस्तार से प्रकाश डाला कहा कि हेमू कालाणी ने आजादी के लिए कुर्बानी दी व सरदार भगतसिंह, सुखदेव व राजगुरु के शहीद दिवस पर उन्हे भी नमन किया। शहीद हेमू कालाणी की प्रतिमा पर मालार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में पार्षद अशोक मारण, पंचायत महासचिव नंद दादलानी, गुलाब जेठानी, जेठांनद मंगतानी, मोहन मीरचंदानी, चन्द्र प्रकाश इसरानी, सुरेश जसवानी, मण्डल अध्यक्ष मनीष बागवानी, उप ब्लाक अध्यक्ष कांग्रेस घनश्याम लालवानी, माखनसिंह राजपूत, किशन अच्छानी, राहुल राजपूत, कमल वीधानी, बसंत चेलानी, रमेश जनयानी, महेश खटवानी, हीरो हिन्दू आदि मौजूद रहे।

यहां भी पुष्पांजलि अर्पित: बस स्टैण्ड फायर बिग्रेड के समीप व नगर निगम कार्यालय के समीप झूलेलाल मंदिर स्थित हेमू कालाणी प्रतिमा के समक्ष श्रद्धा से फूल चढाए व हेमू कालाणी की कुर्बानी एवं देश भक्ति की प्रेरणा जाग्रत करने वाले श्रद्धा से नारे लगाकर जय जयकार की। सरदार भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

धार, विदिशा, बालाघाट जिलों में समग्र विकास का दावा, तीनों कलेक्टर हुए शार्टलिस्ट

पीएम एक्सीलेंस अवार्ड:मप्र के तीन कलेक्टरों को बंधी आस

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र के आईएएस अफसरों में प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए उत्कंठा अब बढ़ रही है। इसके लिये हाल में मप्र कॉडर के तीन अफसर शार्टलिस्ट हुए हैं और इन्होंने अपने प्रेजेंटेशन भी दिए हैं। इनमें धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, विदिशा कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीणा शामिल हैं।

तीनों कलेक्टरों ने 11 प्राथमिकता वाले क्षेत्र, जिलों का समग्र विकास श्रेणी के तहत डीओपीटी की पुनीत यादव की अध्यक्षता वाली स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष प्रस्तुतिकरण दिया है। उल्लेखनीय है कि प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग कार्मिक मंत्रालय ने प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार के लिए देशभर में सिविल सेवकों के कार्यों को परखता है। इसके बाद

इन कामों को मान्यता देने और पुरस्कृत किया जाता है। यह पुरस्कार 2006 से स्थापित है। बताया जाता है कि वर्ष 2024 के लिए जिलों का समग्र विकास श्रेणी के तहत स्क्रीनिंग समिति ने इन अफसरों का प्रेजेंटेशन देखने के बाद दूसरे चरण के लिए नामांकन को अंतिम रूप दिया। अब योजनाओं के लाभार्थी से कॉल सेंटर के माध्यम से फीडबैक लिया जायेगा साथ ही स्पॉट विजिट भी की जाएगी। इधर एमपीपोस्ट के मुताबिक पीएम पुरस्कार पोर्टल पर 1588 नामांकन प्राप्त हुए हैं। इनमें जिलों का समग्र विकास श्रेणी में- 437, एस्पिरेशनल ब्लॉक कार्यक्रम- 426,नवाचार- 725 नामांकन शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि जिलों का समग्र विकास श्रेणी में हर घर जल योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-ग्रामीण, मिशन इंद्रधनुष, जन आरोग्य योजना समेत कुल 11 प्राथमिकता क्षेत्र कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के जरिए जिलों का समग्र विकास आंका जाता है। इस श्रेणी के तहत 5 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसी तरह आकांक्षात्मक ब्लॉक कार्यक्रम श्रेणी के तहत 5 और केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों , राज्यों, जिलों के लिए नवाचार श्रेणी में 6 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे । देशभर के अफसर इसके लिए आवेदन करते हैं।कठिन है डगर-इन पुरस्कारों के लिए आवेदनों के मूल्यांकन में अतिरिक्त सचिवों की अध्यक्षता वाली स्क्रीनिंग समिति जिलों,संगठनों की शॉर्टलिस्टिंग करती है फिर सचिव, डीएआरपीजी की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति मूल्यांकन करती है तथा कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली अधिकार प्राप्त समिति द्वारा पुरस्कारों के लिए अंतिम सिफारिश देती है। यह पुरस्कार 21 अप्रैल, 2025 को सिविल सेवा दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन, दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदान किए जाएंगे । अब तक तीन विजेता मप्र के मप्र काडर के तीन आईएएस अफसर अब तक पीएम एक्सीलेंस अवार्ड जीत चुके हैं, इनमें संजय दुबे,भव्या मित्तल और अनुराग जैन शामिल हैं। जैन को यह अवार्ड केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर उपलब्धियों को लेकर मिला था।

नकल के लिए बदनाम चंबल अंचल में प्रकरण लगभग शून्य, इस बार मंडला और सागर में ज्यादा प्रकरण दर्ज

माशिमं: परीक्षाओं में ईमानदारी की पेटी और कैमरों का दिखा असर, इस बार सबसे कम नकल प्रकरण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं की परीक्षाएं समाप्त हो चुकी हैं, वहीं 12वीं की परीक्षाओं का 25 मार्च को अंतिम पेपर के साथ समापन होगा। दोनो परीक्षाओं में इस बार पिछले वर्ष की अपेक्षा नकल प्रकरणों में करीब 70 फीसदी गिरावट आई है। वहीं छह पेपरों में तो एक भी नकल प्रकरण नहीं बना है।

सबसे अहम बात यह है कि नकल के लिए बदनाम चंबल अंचल नकल प्रकरणों से लगभग शून्य रहा है। इस बार सर्वाधिक मंडला और सागर ने नकल प्रकरण ब?ाए हैं, अन्यथा अन्य जिलों में इक्का-दुक्का नकल प्रकरण ही बने हैं। एमपी बोर्ड की परीक्षाओं में लंबे समय से सामूहिक नकल प्रकरणों के लिए बदनाम चंबल अंचल (भिंड-मुरैना) में इस बार नकल प्रकरण में पूरी तरह लगाम लग गई है। इस बार सामूहिक तो बहुत दूर की बात है, सिंगल नकल

फाइल फोटो

प्रकरण भी नहीं बने हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि केंद्रो पर सख्ती के साथ ही इस बार इस केंद्रों पर ईमानदारी की पेटी रखी गई। इसका असर भी नजर आया है। बोर्ड द्वारा प्रदेश भर में 684 फ्लाइंग स्कार्ट दल बनाए गए थे। जहां इन दलों की सख्त नजर सेंटरों पर रही, वहीं बोर्ड द्वारा इन दलों के मूवमेंट की मुख्यालय के साथ ही संभाग और जिला स्तर से ऑनलाइन मॉनिटरिंग की गई। यानि यह दल जिन-जिन सेंटरों में गए उसका रिकॉर्ड एमपी बोर्ड में लाइव देखा गया।

अब तक मात्र 83 नकल प्रकरण

इस बार 10वीं और 12वीं में अब तक मात्र 83 नकल प्रकरण बने हैं। जबकि पिछले सत्र 2023-24 में ही 255 नकल प्रकरण बनाए गए थे। अभी तक परीक्षाओं में देखा जाए तो सर्वाधिक 21 नकल प्रकरण 28 फरवरी को 12वीं के अंग्रेजी के पेपर और 13 मार्च को 10वीं के सामाजिक विज्ञान के पेपर में 26 नकल प्रकरण बने हैं। वहीं छह पेपरों में तो एक भी नकल प्रकरण नहीं बना है।

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक चिंतामणि के तेवर सरकार की नई चिंता !

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

■ राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देशों का दिया हवाला, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने दिया 7 दिन का अल्टीमेटम, जवाब मांगा, नहीं तो कार्रवाई

प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष एवं आलोट से भाजपा विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय खुद की पार्टी से घिर गए हैं। भाजपा ने उन पर आरोप लगाया है कि वह सरकार की आलोचना कर रहे हैं, जिसकी वजह से सत्ता व संगठन की छवि प्रभावित हो रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने उन्हें रविवार नोटिस जारी कर दिया है, जिसमें 7 दिन के भीतर जवाब मांगा है। नोटिस में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के निर्देशों का हवाला दिया है।

चिंतामणि ने उठाया था सिंहस्थ की जमीन में गड़बड़ी का मामला

आलोट विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय ने बीते मंगलवार विधानसभा में सिंहस्थ की जमीनों से जुड़े मामलों में अपनी ही सरकार को घेर दिया था। आरोप लगाए कि उज्जैन के किसान डरे हुए हैं, उन्हें स्पिरिचुअल सिटी के नाम पर जमीन के स्थाई अधिग्रहण के नोटिस बांटे जा रहे हैं। ऐसा पहली बार हो रहा है जब सिंहस्थ से पहले किसानों की जमीन का स्थाई अधिग्रहण हो रहा है, पूर्व में अस्थाई अधिग्रहण होता था। यह कुछ कालोनाइजरों व माफिया का षडयंत्र है, जिसमें अफसर भी साथ दे रहे। डॉ. मालवीय पिछले सत्र में भी उज्जैन की जमीनों को खुर्दबुर्द करने के आरोप लगा चुके थे। चिंतामणि ने यह भी कहा था कि चाहे जितने भी रुपये कमा लिए जाए लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि कफन में कोई जेब नहीं होता।

सूत्रों की मानें तो यही काफी गंभीर विषय माना गया और इस पर मंथन के बाद उन्हें नोटिस दिया गया।हालांकि विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय के अलावा घटिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के ही विधायक सतीश मालवीय भी पूर्व के सत्र में उज्जैन की 1.64 हेक्टेयर जमीन की हेराफेरी का मामला उठा चुके हैं तो वहीं कांग्रेस विधायक महेश परमार लगातार सरकार को घेर रहे हैं।

पेंशनरों की बैठक: मांगें नहीं मानी तो अगले माह आंदोलन

भोपाल। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक व होली मिलन समारोह में पेंशनरों ने अपनी लंबित मांगे पूरी नहीं होने की स्थिति में आने वाले माह में सरकार के खिलाफ प्रांतव्यापी आंदोलन करने का निर्णय लिया । प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने समय पर महंगाई राहत नहीं देने पर प्रदेश शासन पर भेदभाव का आरोप लगाया, वहीं उपाध्यक्ष शंभूनाथ मुखर्जी ने सरकार को पेंशनर विरोधी बताया । भोपाल जिला अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने प्रदेश के पेंशनरों को एकजुट होकर भोपाल में विशाल आंदोलन प्रदर्शन के लिए तैयार रहने का आह्वान किया । संगठन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने वचुर्अली पेंशनरों को संबोधित किया। सक्सेना के अनुसार महंगाई राहत, कैशलेस चिकित्सा, वेतनमान का बकाया सहित पेंशनरों की कई मांगे अनसुनी हैं। संगठन के मीडिया प्रभारी एसके शुक्ला, जिला शाखा संरक्षक प्रमोद सिंगल, सर्वेश तिवारी आदि पदाधिकारियों ने बैठक को संबोधित किया।

विजय दीक्षित मध्य क्षेत्र के सह प्रांत कार्यवाह, पोरवाल को केशव कुंज दिल्ली का जिम्मा

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने बैंगलुरू में हुई अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में मध्य क्षेत्र में नवीन पदाधिकारी दिए। विजय दीक्षित को सह प्रांत कार्यवाह का जिम्मा दिया है, जो कि पूर्व में ग्वालियर विभाग के कार्यवाह की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। जबकि मध्य क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख अशोक पोरवाल को केशव कुंज कार्यालय दिल्ली का प्रमुख बनाया है। वहीं सुरेन्द्र को भोपाल विभाग प्रचारक से मध्यभारत का सह प्रांत प्रचारक बनाया है। कैलाश लववंशी को सरसंचालक के निजी सचिव से प्रांत सह शारीरिक शिक्षण प्रमुख का जिम्मा दिया है। वहीं मोहित अग्रवाल अब सरकार्यवाह के निजी सचिव होंगे, वह विभाग प्रचारक राजगढ़ थे।

सर्वोच्च सम्मान...

भोपाल। गुजरात के आणंद में गत दिवस हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग के 76वें अधिवेशन में मप्र के वरिष्ठ पत्रकार-साहित्यकार विजयदत्त श्रीधर को सर्वोच्च 'साहित्य वाचस्पति सम्मान' से अलंकृत किया गया।

बीयू: बीएड, एमएड की परीक्षाएं 30 मार्च तक

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने संबद्ध सभी कॉलेजों की बी.एड. तृतीय सेमेस्टर एवं एम.एड. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षाएं 30 मार्च तक आयोजित करने को लेकर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने संबद्ध सभी कॉलेजों के प्राचार्यों को अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही शिक्षा विभाग की प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित करने को कहा है। निर्देश दिए गए हैं कि इस लिए विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य परीक्षकों के सहयोग से निर्धारित तिथि तक प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित कर अंक प्रविष्टि विवि के वेब प्रकोष्ठ द्वारा आपके महाविद्यालय के लिए निर्धारित की जाएं।

उपभोक्ता अधिकार दिवस पर कार्यक्रम व संस्थाओं का सम्मान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

विश्व उपभोक्ता दिवस पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विभाग की प्रमुख सचिव रश्मि अरुण शमी एवं रजिस्ट्रार उपभोक्ता आयोग शोभित जैन, खाद्य आयोग के अध्यक्ष वीके मल्होत्रा नियंत्रक, नाप-तोल रंजना पाटने, उप सचिव बीके चंदेल एवं संयुक्त संचालक हरेंद्र सिंह सहित आशा स्मिता फाउंडेशन के संजीव राय, ह्यूमन यूनिक मोमेंट डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन के प्रमुख विट्टल राव, ब्लॉसम कान्वेंट एवं कंप्यूटर शिक्षा समिति के अध्यक्ष संदीप माथुर ने शिरकत की। इस अवसर पर एक प्रदर्शिनी का आयोजन भी हुआ और इस क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संगठनों को पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया। आशा स्मिता फाउंडेशन के परियोजना निदेशक संजीव राय ने बताया कि उपभोक्ता अधिकार दिवस का लक्ष्य दुनिया भर मे उपभोक्ताओं की मांगों और अधिकारों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना है।

मेट्रो एंकर शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन डॉ. राजवेंद्र के मार्गदर्शन में किया गया

मानसरोवर विश्वविद्यालय के लॉ विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण, जानी न्यायिक प्रक्रिया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय के विधि संकाय के विधि संकाय के विद्यार्थियों ने भोपाल स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय का शैक्षणिक भ्रमण कर न्यायिक प्रक्रिया और भारतीय न्याय व्यवस्था की कार्यप्रणाली को समझा। इस दौरान विद्यार्थियों को न्यायालय के भीतर कार्य करने के तरीके और मामलों की सुनवाई के दौरान की जाने वाली कानूनी प्रक्रियाओं के बारे में भी जानकारी मिली। शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन विधि संकाय के सहायक प्राध्यापक डॉ. राजवेंद्र कुमार चौधरी के मार्गदर्शन में किया गया। विधि संकाय की डीन डॉ. ताई चौरसिया ने बताया कि कोर्ट विजिट के दौरान विद्यार्थियों को सत्र न्यायालय में चल रहे विभिन्न मामलों की सुनवाई देखने का अवसर मिला। वह यह समझ पाए कि किस प्रकार अदालत में केस की सुनवाई होती है, न्यायाधीश किस प्रकार फैसले लेते हैं, और किस प्रकार वकील अपनी दलीलें पेश करते हैं। इस विजिट ने विद्यार्थियों के लिए एक सजीव उदाहरण प्रस्तुत किया, जिससे उन्हें कानून के सिद्धांतों और कार्यप्रणाली का व्यवहारिक अनुभव हुआ। विद्यार्थियों ने अदालत

फाइल फोटो

के भीतर उपस्थित न्यायाधीशों, वकीलों और अन्य कानूनी अधिकारियों से भी संवाद किया। उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया, साक्ष्य संग्रहण, मुकदमों की प्रक्रिया, और अदालत के संचालन के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।

30 अप्रेल तक अतिथि शिक्षकों की सेवाएं, फिर नए शिक्षक होंगे तैनात

भोपाल।?स्कूल शिक्षा विभाग ने अतिथि शिक्षकों की सरकारी स्कूलों में सेवाएं 30 अप्रैल तक ब?ई हैं। यह शिक्षक अब स्कूलों में शिक्षकों के खाली प? स्थानों पर सेवाएं देंगे। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि शासकीय विद्यालयों मे शैक्षणिक व्यवस्था हेतु रिक्त पदों के विरूद्ध सत्र 2024-25 में विद्यालयों मे अतिथि शिक्षकों को आमंत्रित करने के निर्देश संदर्भित पत्रों मे दिये गये थे. शैक्षणिक सत्र 2024-25 में रिक्त पदों के विरूद्ध आमंत्रित अतिथि शिक्षकों की सेवायें विद्यालय मे रिक्त पद होने की स्थिति में 30 अप्रैल 2025 तक ली जा सकेगी।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित किए जा रहे हैं 5 केन्द्रीय पुस्तकालय

भोपाल। प्रदेश में नागरिकों, विशेषकर विद्यार्थियों को अध्ययन सुविधा उपलब्ध कराने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 5 केन्द्रीय पुस्तकालयों का संचालन किया जा रहा है। इसके साथ ही भोपाल के जीटीबी कॉम्प्लेक्स में विभाग द्वारा वित्तीय अनुदान से स्वामी विवेकानन्द लाइब्रेरी (पूर्व ब्रिटिश लाइब्रेरी) का संचालन किया जा रहा है। इन पुस्तकालयों में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों की भी सुविधा दी जा रही है।

शोध शिखर: विज्ञान पर्व 2025 का भी होगा आयोजन

आरएनटीयू में 28-29 मार्च को नवोन्मेष 2025

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल। उद्यमिता, शोध एवं नवाचार को ब?ावा देने के लिए आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज द्वारा इनोवेशन कार्निवाल ÷नवोन्मेष 2025÷ और अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी ÷शोध शिखररू विज्ञान पर्व 2025÷ के चौथे संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत एआईसी आरएनटीयू द्वारा स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) के सहयोग से एसजीएसयू परिसर में 25 एवं 26 मार्च को ÷नवोन्मेष 2025÷ और रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी (आरएनटीयू) द्वारा आरएनटीयू परिसर में 28 मार्च एवं 29 मार्च से ÷शोध शिखर दृ विज्ञान पर्व 2025÷ का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश भर से छात्र, प्राध्यापक, स्टार्टअप, इंडस्ट्री लीडर्स, एंटरप्रेन्योर्स, शोधार्थी, इंवेस्टर्स, नीति निर्माता एवं बुद्धिजीवी शामिल होंगे।

फाइल फोटो

संपादकीय

अंतरिक्ष में असाधारण काम, जज्बे को सलाम

संकट के समय साहस और संयम बनाए रखने की सटीक परिणीति यदि कोई है तो फिलहाल तो सुनीता विलियम्स हैं। करीब नौ महीने तक अंतरिक्ष में फंसे रहने के बाद वे सकुशल लौटी हैं। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की सुरक्षित वापसी वैज्ञानिक उपलब्धि तो है ही, इससे भावी अंतरिक्ष अभियानों के लिए नई संभावनाएं और नई राहें खुलने की उम्मीद पुख्ता हो गई है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र में नौ महीने रहने के दौरान सुनीता ने न तो अपना हौसला खोया और न ही अपना समय गंवाया। बल्कि वे पूरे आत्मविश्वास के साथ वहां वह सभी कार्य करती रहीं जो आने वाले समय में बहुत उपयोगी होंगे। उन्हें पता था कि एक न एक दिन उन्हें लौटना है, इस विश्वास के साथ सदैव सकारात्मक रहीं। एक बार तो उन्होंने कहा भी कि किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। उनका सकारात्मक रवैया खुद उनके देश अमेरिका और मूल देश भारत को ढांढस बंधाता रहा और बाद में सारे ऑपरेशन कामयाब होते रहे। हालांकि वैज्ञानिक और अंतरिक्ष यात्री सभी जोखिमों के लिए तैयार रहते हैं। तो, जाहिर है कि सुनीता भी इसके लिए तैयार थीं। जबकि वे अंतरिक्ष में परीक्षण उड़ान पर गई थीं। आठ दिन बाद उन्हें लौटना था। तब यह नहीं पता था कि वापसी के समय स्टारलाइनर में तकनीकी खराबी आ जाएगी। अंतरिक्ष केंद्र में रहने के दौरान न केवल उन्होंने अपना अध्ययन जारी रखा, बल्कि कई अनुसंधान और प्रयोग भी किए। नौ महीने अंतरिक्ष में रहने का कीर्तिमान भी बनाया। इस बीच अंतरिक्ष यात्रियों को लाने के लिए नासा ने पूरी ताकत लगा दी थी। तकनीकी दिक्कतें इतनी थीं कि अभियान अधूरा होता लग रहा था। मगर स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल की मदद से सुनीता और बुच विल्मोर के साथ निक हेग और अलेक्जेंडर गोरबुनोव को भी फ्लोरिडा के तट पर उतार लिया गया। यह पहली बार है जब कोई अंतरिक्ष मिशन इतना लंबा खिंचा। जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर से दोनों अंतरिक्ष यात्री गए थे। वहां अटक जाने के बाद सुनीता और विल्मोर अंतरिक्ष केंद्र के पूर्णकालिक सदस्य की तरह हो गए थे। इस दौरान सुनीता ने कई कीर्तिमान अपने नाम किए। अंतरिक्ष में फंसे रहने पर उन्होंने कभी कोई शिकायत नहीं की। मगर इस दौरान उनसे भावनात्मक रूप से जुड़े रहे करोड़ों लोग उनकी कुशलता के लिए प्रार्थना करते रहे। अब उनके लौट आने के बाद वैज्ञानिक अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के प्रभावों का गहन अध्ययन कर सकेंगे। भविष्य में मंगल और चांद पर जाने और वहां मनुष्यों के रहने की संभावनाएं तलाशी जा सकेंगी। आखिरकार नए अनुभवों से साक्षात्कार का ही नाम विज्ञान है लिहाजा सुनीता विलियम्स ने जो लकीर खींच दी है वह आसानी से मिटने वाली नहीं है। जहां तक भारत का सवाल है तो यहां के लोग भी सुनीता के प्रति बहुत चिंतित और उनसे जुडी हर नई खबर के लिये उत्सुक थे। सुनीता का गुजरात से नाता है। वे भारत आती-जाती रही हैं तथा अपने साथ भगवान की मूर्ति भी रखती हैं। उनकी आस्था ने उन्हें हौसला दिया है। अब लोग यह भी प्रतीक्षा कर रहे हैं कि वे अंतरिक्ष से लौट आने के बाद जब पूरी तरह फिट हो जाएंगी तो भारत की यात्रा करेंगी। सरकार भी उन्हें निमंत्रित कर चुकी है। जाहिर है कि भारतीय मूल की सुनीता के इस कारनामे से खुद भारत का अंतरिक्ष मिशन भी और तेजी पकडेगा।

मूर्ख स्वयं को बुद्धिमान समझते हैं, किन्तु वास्तविक बुद्धिमान स्वयं को मूर्ख ही समझते हैं।
- शेक्सपीयर

आज का इतिहास

- 1306- रॉबर्ट ब्रूस को स्कॉटलैंड का नया राजा बनाया गया।
- 1410- योंगल सम्राट ने मंगोलों के अपने सैन्य अभियानों का पहला शुभारंभ किया, जिसके परिणामस्वरूप मंगोल खानबुनशिरि का पतन हुआ।
- 1655- शनि के सबसे बड़े उपग्रह टाइटन की खोज हुई।
- 1668- अमेरिका में पहली बार घुड़दौड़ आयोजन हुआ।
- 1669- सिसदी द्वीप पर ज्वालामुखी माउंट एटना में भयावह विस्फोट, 20 हजार से अधिक लोगो की मौत।
- 1700- लंदन ने फ्रांस, इंग्लैंड और हॉलैंड की संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1807- इंग्लैंड में सबसे पहले रेलवे यात्री सेवा की शुरुआत हुई।
- 1807- ब्रिटिश की संसद ने दास व्यापार समाप्त किया।
- 1821- ग्रीस ने तुर्की से स्वतंत्रता हासिल की।
- 1898- स्वामी विवेकानंद ने सिस्टर निवेदिता को अपने शिष्य के रूप में स्वीकार किया।
- 1905- प्रसिद्ध भारतीय राजनेता मिर्जा राशिद अली बेग का जन्म हुआ।
- 1931- साप्ताहिक पत्रिका'प्रताप'के संपादक, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सिपाही एवं सुधारवादी नेता गणेश शंकर विद्यार्थी कानपुर में हिंदू-मुस्लिम दंगों में शहीद हो गए।
- 1954- देश के पहले हेलीकॉप्टर एस-55 को दिल्ली में उतारा गया।
1989- अमेरिका में निर्मित देश का पहला सुपर कम्प्यूटर एक्स-एमपी 14 राष्ट्र को समर्पित किया गया।
- 1992- विश्व कप फाइनल में पाकिस्तान ने इंग्लैंड को 22 रन से हराकर चैंपियन बना।

निशाना

सेंकते हम रोटी !

-कृष्णेन्द्र राय

छोटी छोटी घटना पर ।
सेंकते हम रोटी ।।
करनी राजनीति है ।
बात नहीं ये छोटी ।।
कोशिश लगातार है ।
टूट न जाए क्रम ।।
रहना हमको ज़िंदा ।
ना इसमें हो भ्रम ।।
होंगे लाख जलील पर ।
ना लाना बदलाव ।।
जनता ने ठुकरा कर ।
दिया बराबर घाव ।।
मुद्दों की हम खोज में ।
है लाना हर हाल ।।
भले लाख हम पर ।
उठते हों सवाल ।।

क्षेत्रीय मुद्दों के समाधान को हो संवाद की पहल

■ गुरबचन जगत

इस सदी के पहले डेढ़ दशक के दौरान मुझे दक्षिण और उत्तर-पूर्वी भारत का व्यापक दौरा करने का अवसर मिला था। इससे पहले,जम्मू-कश्मीर में उथल-पुथल भरे कुछ वर्षों के दौरान वहां रहने का भी मौका मिला था और बेशक पंजाब तो मेरा गृह राज्य है ही और यही वह सूबा है जहां पर 1966 में बतौर आईपीएस मेरी सेवाएं शुरू हुई थीं। यह इस महान राष्ट्र में मेरे दायरे की विहंगम दृश्यावली है और अकसर मैं इसकी विशालता पर विस्मित हुआ करता हूं। लगभग पांच दशकों की सरकारी सेवा के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में दौरा-निरीक्षण, लोगों से हुआ मेल-जोल 'विविधता में एकता' के पुराने सिद्धांत को समृद्ध परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है।

हमारे पूर्वजों की बुद्धिमत्ता और संविधान के अनुच्छेद 15 में अंतर्निहित सिद्धांत की बदौलत हमारे राष्ट्र को मिले संतुलन का मैं गवाह हूं। पुलिस में अपने कार्यकाल के दौरान मैंने यह उस तबाही को भी देखा है जो निहित स्वार्थों द्वारा पुरानी विभाजन रेखाओं को उभारने से बन सकती है। इन दिनों राष्ट्रीय मीडिया पर दक्षिण भारत की हलचल की खबरें खूब छाई हुई हैं और राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक गलियारों में भी यह गर्मागर्म बहस का विषय है। इस विवाद की हालिया वजह 2026 में होने वाली नई जनगणना के आधार पर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों का अपेक्षित परिसीमन है। अन्य कारकों में समान नागरिक संहिता, नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन, हिंदी थोपने की आशंका, संघीय ढांचे को कथित रूप से कमजोर करना और केंद्र सरकार से राज्यों को अपर्याप्त धन का प्रवाह है।

दक्षिणी राज्यों को लगता है, और शायद यह सही भी है, समग्र विकास सूचकांकों में वे मध्य और उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में कहीं अधिक आगे हैं, विशेष रूप से आईटी क्षेत्र, विनिर्माण, फार्मास्यूटिकल्स, मानव संसाधन विकास, उच्च तकनीकी और स्कूली शिक्षा में। उनकी एक बड़ी संख्या अनिवासी भारतीयों की भी है, जो विदेशों से राष्ट्रीय कोष में अरबों डॉलर जोड़ते हैं। दक्षिण भारत का समुद्री मार्ग से खाड़ी एवं अन्य देशों के साथ व्यापार का समृद्ध इतिहास रहा है, जो उन्हें व्यापार और विस्तारित परिवारों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपस में काफी जोड़कर रखता है। आज बंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई अग्रणी ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर्स हैं, और उन्हें अपने यहां बड़ी संख्या में कामगार प्रवासी समुदाय और सफेदपोश नौकरियां मुहैया करवाने पर गर्व है। उन्हें डर यह है कि आगामी परिसीमन उनके राजनीतिक और वित्तीय भविष्य की जड़ों को काट देगा। शिक्षा ने दक्षिण भारत को परिवार नियोजन के लाभों से जागरूक किया और उन्होंने आबादी नियंत्रण में काफी सफलता भी प्राप्त की है।

यदि परिसीमन की वर्तमान प्रक्रिया को अंजाम दे दिया जाता है तो संसद में वहां से आने वाली कुल सीटों का प्रतिशत घट जाएगा और इसके मुख्य लाभार्थी यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र होंगे। इन दिनों इस विषय पर खुलकर कहा जा रहा, लेकिन जब मैं दक्षिण भारत में कुछ बैठकों में भाग लेने जाता था तब नौकरशाही के स्तर पर इस मामले पर बात दबी आवाज़ में की जाती थी। उनका डर यह था कि शिक्षा, नियंत्रित जनसंख्या, बेहतर संस्थागत और शैक्षिक बुनियादी ढांचा और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में अधिक योगदान के बावजूद, संख्या के आधार से वे कभी राजनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण स्थिति में नहीं रह पाएंगे। यह बात बिना लाग-लपेट कही जाती थी, बाकी आप पर छोड़ दिया जाता था कि अपने निष्कर्ष खुद निकालें। केन्द्र के साथ खुले संवाद के अभाव में, धीरे-धीरे राजनेता सार्वजनिक मंचों पर आकर अब वह सब कहने लगे हैं, जो पहले अनकहा रहा। उन्हें परिसीमन नहीं चाहिए, वे समान नागरिक संहिता नहीं चाहते, वे नहीं चाहते कि हिन्दी उनपर थोपी जाए, बल्कि वे केंद्र से ज्यादा धन और राष्ट्रीय राजनीतिक मंच पर अधिक हैसियत चाहते हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या कोई उनसे इस सिलसिले में वार्ता कर रहा है? यह सरकार का कर्तव्य होता है कि संभावित समस्या का पूर्वानुमान लगाए और सुनिश्चित करे कि पुराने और नए विवादों की बारीक दरारें चौड़ी खाई में परिवर्तित न होने पाएं। हमें नहीं भूलना चाहिए कि क्षेत्रीय राजनीति पर द्रविड़ आंदोलन का हमेशा से तगड़ा साया रहा है और डीएमके, एआईएडीएमके और एमडीएमके, सभी इसी आंदोलन की उपज हैं।

फिलहाल पांच प्रमुख दक्षिणी राज्य (तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र) के पास संसद की कुल 543 सीटों में से 129 सीटें हैं, जो कुल राष्ट्रीय वोटर संख्या के महज 23.7 फीसदी का प्रतिनिधित्व करती हैं। जबकि इसकी तुलना में, चार उत्तरी सूबे (यूपी, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश) जनगणना के हिसाब से सबसे अधिक लाभ ले रहे हैं। उनके पास 543 में से 197 सीटों का प्रतिनिधित्व है, यानी उनके पास संसद में पहले से ही 36.2 फीसदी वोट शेयर है, शेष बची सीटें 27 अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच बंटी हुई हैं। अगर आप दक्षिण भारत से हैं, जिसका सामना पहले ही अधिक दबदबे वाले उत्तर भारत से है और वह और अधिक प्रभुत्त्व बनाने की ओर अग्रसर है, तो आपको अपनी हैसियत खोने का डर जायज है। एक बात जो मैं समझ नहीं पाया, वो यह कि उच्चतम स्तर पर कोई गंभीर बातचीत क्यों नहीं चली। पारिवारिक विवादों से लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विवादों तक में, सदा संवाद ही समाधान का रास्ता रहा है। यह बातचीत किसी समस्या के आरंभिक लक्षण बनते ही या पैदा होने के बाद, कभी हो सकती है, फिर वार्ता करने में झिझक क्यों? बातचीत कमजोरी की निशानी न होकर समस्याएं सुलझाने की इच्छाशक्ति होती है और संवाद शुरू करने के लिए सबसे बढ़िया है कि बात सीधे संबंधित पक्ष से की जाए। सरकार उच्च स्तरीय प्रतिनिधियों के जरिये संबंधित राज्यों से बात करे, बातचीत खुलकर हो। दिमाग खुला रखकर कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान संभव है।

यही बात पूर्वोत्तर पर भी लागू है। यह वो इलाका है, जहां पर सहमति और मतभेद हमेशा एक साथ मौजूद रहे हैं, वहां के मुद्दों पर राष्ट्रीय मीडिया और राजनेता आमतौर पर गायब रहते हैं। यहां मुख्य भूमि पर वहां के बारे में जो कुछ सुनते हैं, वह वहां जमीनी हकीकत पर ठीक उलट दिखाई देता है। समझौते की आड़ में नगालैंड पर कभी भूमिगत रहे तत्त्वों का राज दशकों से चला हुआ है, दीमापुर उनका गढ़ है, एक तरह से राजधानी। वे जब चाहें, जहां चाहें, नाकाबंदी कर देते हैं या उठा लेते हैं। केंद्र सरकार की मर्जी के खिलाफ मिजोरम म्यांमार से आने वाले लोगों को शरण दे रहा है और उनके लिए तथा मणिपुर के बेदखल हुए आदिवासियों के लिए सहायता शिविर स्थापित किए हैं। म्यांमार से लगती मणिपुर और मिजोरम की सीमा लगभग खुली है। मणिपुर त्रासदी जब से शुरू हुई है, कई लोगों की जान चली गई, और इससे कई गुना लोग बेघर हुए हैं और विभिन्न कबीलों के हथियारबंद गिरोह अपने-अपने इलाके में शासन चला रहे हैं। वे जब चाहें लूटपाट, बलात्कार और हत्या कर देते हैं, पुलिस शस्त्रागारों से बड़े पैमाने पर हथियारों की लूट हुई है। विभिन्न जनजातियों के सभी प्रमुखों के साथ वृहद बातचीत क्यों नदारद है? क्या केवल फौजी ताकत का प्रयोग ही समाधान है? देश के लिए पुरानी चिंता का अन्य स्रोत पंजाब और जम्मू-कश्मीर राज्य हैं। कुछ समय राहत के बाद वहां फिर से सरगर्मियां बढ़ी हैं। यह उस ज्वालामुखी की भांति है, जो सतह के नीचे धधकता रहता है और एक दिन अचानक फट जाता है। हालांकि, ज्वालामुखी के विपरीत, उपरोक्त वर्णित क्षेत्रों में हम शांति लाने के लिए कदम उठा सकते हैं।

केंद्र एवं राज्य सरकारों को संसद, राज्यों की विधानसभाओं और लोगों से बात करनी चाहिए। लोगों को विश्वास में लिया जाना चाहिए, शांति में हम सभी का हित है। पंजाब और जम्मू-कश्मीर, दोनों राज्यों में फिर से सरगर्मी बढ़ने लगी है और ऐसा लगता है कि सीमा पार के हमारे पड़ोसी एक बार फिर से आग भड़काने में लगे हैं। रोजाना गंभीर घटनाएं हो रही हैं और सरकार से हमें केवल लफ्फाजी सुनने को मिल रही है। धर्म और राजनीति का घालमेल एक घातक मिश्रण है, जैसा कि हम विगत में देख चुके हैं। ऐसी घटनाओं को दबायाा नहीं जा सकता। राजनीतिक दलों को स्वार्थ साधना बंद करना होगा और सरकार को अपनी इच्छाशक्ति और प्रशासन को अपना संकल्प दिखाना चाहिए - यदि अभी नहीं, तो कब?

(साभार : लेखक मणिपुर राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर में पुलिस महानिदेशक रहे हैं।)

ऋषभ हैं सभ्यता और संस्कृति के पुरोधा पुरुष

■ ललित गर्ग

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ यानी भगवान ऋषभदेव विश्व संस्कृति के आदि पुरुष, आदि संस्कृति निर्माता थे। वे प्रथम सम्राट और प्रथम धर्मतीर्थ के आद्य प्रणेता थे। उनकी निर्मल जीवनगाथा हजारों वर्षों से जनजीवन को प्रेरणा प्रदान करती रही है। जैन, बौद्ध और वैदिक परम्परा में ही नहीं, विश्व की अन्य संस्कृतियों में भी उनकी यशोगाथा गायी गई है। भगवान ऋषभदेव ने भारतीय संस्कृति में असि, मसि, कृषि, विद्या, वाणिज्य और शिल्प रूपी जीवनशैली दी, आज हमारा जीवन उसी पर आधारित है। इन छह कर्मों के द्वारा उन्होंने जहां समाज को विकास का मार्ग सुझाया, वहीं अहिंसा, संयम और तप के उपदेश द्वारा समाज की आंतरिक चेतना को जगाया। उनकी जन्म जयन्ती कोरा आयोजनात्मक माध्यम न होकर एक प्रयोजनात्मक उपक्रम है, जिसमें हम भारतीय संस्कृति को दिये उनके योगदान को स्मरण करते हुए अपने जीवन को आदर्श बना सकते हैं।

भगवान ऋषभदेव वर्तमान अवसर्पिणी काल के प्रथम तीर्थंकर हैं। तीर्थंकर का अर्थ होता है-जो तीर्थ की रचना करें। जो संसार सागर यानी जन्म मरण के चक्र से मुक्ति दिलाकर मोक्ष प्रदत्त करें। ऋषभदेव को 'आदिनाथ' भी कहा जाता है। वे भगवान विष्णु के अवतार थे। जन-जन की आस्था के केन्द्र तीर्थंकर प्रभु ऋषभदेव का जन्म चैत्र कृष्ण नवमी को अयोध्या में हुआ। उन्होंने मनुष्य जाति को नया जीवन दर्शन दिया। जीने की शैली सिखलाई। वे जानते थे कि नहीं जानना बुरा नहीं मगर गलत जानना, गलत आचरण करना बुरा है। इसलिए उन्होंने सही और गलत को देखने, समझने, परखने की विवेकी आंख दी जिसे सम्यक् दृष्टि कहा जा सकता है। यह वह समय था जब भोगभूमि का काल पूर्ण होकर कर्मभूमि का काल प्रारंभ हो गया था। भोगभूमि में दस कल्पवृक्ष होते थे जो मनुष्य की सभी आवश्यकताओं को पूर्ण करते थे। मनुष्य को कोई काम नहीं करना पड़ता था। धीरे-धीरे काल के प्रभाव से यह कल्पवृक्ष लुप्त होते गए और मनुष्य के सामने भूख प्यास, गर्मी सर्दी और बीमारियों की समस्याएं आने लगी। प्रजा अपने राजा नाभिराय के पास गई और उपाय पूछा तो राजा ने प्रजा को युवराज ऋषभ के पास भेज दिया। युवराज ऋषभ ने संसारी रहते हुए प्रजाजनों को शस्त्र, लेखनी, विद्या, व्यापार, खेती एवं शिल्प इन छह कार्यों को करना सिखलाया। उन्होंने जनता को इन छह कार्य के द्वारा आजीविका पैदा करने के उपदेश दिए। इसीलिए वे युगकर्ता, सृष्टि के पालनहार और सृष्टि के ब्रह्मा कहलाए। इस रचना के द्वारा ऋषभदेव ने प्रजा का पालन किया। इसलिए उन्हें प्रजापति भी कहा गया।

महाराज नाभि के यहां ऋषभ रूपी दिव्य बालक का जन्म हुआ। उसके चरणों में वज्र, अंकुश आदि के चिन्ह जन्म के समय ही दिखाई दिये। बालक के अनुपम सौन्दर्य को जिसने भी देखा वह मोहित हो गया। बालक के जन्म के साथ महाराज नाभि के राज्य में सम्पूर्ण ऐश्वर्य, सुख-शांति एवं वैभवता परिव्याप्त हो गयी। नाभि के राज्य में अतुल ऐश्वर्य को देखकर इन्द्र को ईर्ष्या हुई। उन्होंने इनके राज्य में वर्षा बंद कर दी। भगवान ऋषभदेव ने अपनी योगमाया के प्रभाव से इन्द्र के प्रयत्न को निष्फल कर दिया। इन्द्र ने अपनी भूल के लिए क्षमा माँगी। ऋषभ के सौ पुत्र हुए। उनमें सबसे बड़े पुत्र का नाम भरत था। उसी के नाम पर हमारे देश का नाम भारतवर्ष प्रसिद्ध हुआ। ऋषभ ने पुत्रों को मोक्षधर्म का अति सुंदर उपदेश दिया। तदनन्तर ऋषभ अपने बड़े पुत्र भरत को राज्यभार सौंपकर दिगम्बर वेष में वन को चले गये।

ऋषभ जब शासक बने, अनूठा थी उनकी शासन-व्यवस्था। क्योंकि उनके लिये सत्ता से ऊंचा समाज एवं मानवता का हित सर्वोपरि था। उन्होंने कानून कायदे बनाए। सुरक्षा की व्यवस्था की। संविधान निर्मित किए। नियमों का अतिक्रमण करने वालों के लिए दण्ड संहिता भी तैयार की। सचमुच वह भी कैसा युग था। न लोग बुरे थे, न विचार बुरे थे और न कर्म बुरे थे। राजा और प्रजा के बीच विश्वास जुड़ा था। बाद में जब कभी बदलते परिवेश, पर्यावरण, परिस्थिति और वैयक्तिक विकास के कारण व्यवस्था में रुकावट आई, कहीं कुछ गलत हुआ, मनुष्य का मन बदला तो उस गलत कर्म के लिए इतना कह देना ही बड़ा दण्ड माना जाता कि 'हाय! तूने यह क्या किया?' 'ऐसा आगे मत करना', 'धिक्कार है तूने ऐसा किया।' ये हाकार, माकार और धिक्कार नीतियां अपराधों का नियमन करती रहीं। आज की तरह उस समय ऐसा नहीं था कि अपराधों के सच्चे गवाह और सच्चे सबूत मिल जाने के बाद भी अदालत उसे कटघरे में खड़ा कर अपराधी सिद्ध न कर सके। निर्दोष व्यक्ति न्याय पाने के लिए दर-दर भटके और अपराधी धड़ल्ले से शान-शौकत के साथ ऐशो आराम करे।

सत्ता के नाम पर युद्ध तो सदियों में होते रहे हैं मगर ऋषभ के राज वैभव छोड़कर संन्यस्त बन जाने के बाद सिंहासन के लिए भाई-भाई भरत बाहुबली में जो संघर्ष हुआ वह ऐतिहासिक प्रसंग भी आज के संदर्भ में एक सीख है। आज भी सत्ता और स्वार्थ का संघर्ष चलता है। सब लड़ते हैं पर देश के हित में कम, अपने हित में ज्यादा। लेकिन न तो आज ऋषभ के 98 पुत्रों की तरह समस्या के समाधान पाने की जिज्ञासा है कि हम किसको मुख्य मानकर उनसे अंतिम समाधान मांगे और न ही कोई ऐसा ऋषभ है जो अंतहीन समस्याओं के बीच सबको सामयिक संबोध दे। राज्य प्राप्ति के प्रश्न पर जब भरत बाहुबली के बीच अहं और आकांक्षा आ खड़ी हुई तो ऋषभ ने शस्त्र युद्ध को नकारा और आत्मयुद्ध की प्रेरणा दी, क्योंकि स्वयं को जीत लेना ही जीवन की सच्ची जीत है।

भगवान ऋषभदेव को सभ्यता और संस्कृति की विकास यात्रा का प्रणेता माना जाता है, उनका अवतरण आदिम युग का परिष्कारक बना। वे पुरुषार्थ चतुष्टयी के पुरोधा थे। अर्थ और काम संसार की अनिवार्यता है तो धर्म और मोक्ष जीवन के चरम लक्ष्य तक पहुंचाने वाले सही रास्ते। उन्होंने प्रयोगधर्मा ऋषि बनकर जगत् की भूमिका पर जीवन के बिखराव की व्यवस्था दी तो अध्यात्म के परिप्रेक्ष्य में धर्म की जीवंतता प्रस्तुत की। समाज व्यवस्था उनके लिए कर्तव्य थी, इसलिए कर्तव्य से कभी पलायन नहीं किया तो धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिए उसे कभी नकारा नहीं। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। ऋषभ की दण्डनीति और न्यायनीति आज प्रेरणा है उस संवेदनशून्य व्यक्ति के लिए जो अपराधीकरण एवं हिंसक प्रवृत्तियों की चरम सीमा पर खड़ा है।

व्यक्तित्व बदलाव का प्रशिक्षण ऋषभ की बुनियादी शिक्षा थी। ऋषभ ने राजनीति का सुरक्षा कवच धर्मनीति को माना। राजनेता के पास शस्त्र है, शक्ति है, सत्ता है, सेना है फिर भी नैतिक बल के अभाव में जीवन मूल्यों के योगक्षेम में वे असफल होते हैं जबकि उन सबके अभाव में संत चेतना के पास अच्छाइयां और आदर्श चले आते हैं, क्योंकि उसके पास धर्म की ताकत, चरित्र की तेजस्विता है।

ऋषभ ने संसार और संन्यास दोनों की जीया। ये पदार्थ छोड़ परमार्थ की यात्रा पर निकल पड़े। उन्होंने कर्मबंध और कर्ममुक्ति का राज प्रकट किया। वे संन्यस्त होकर वर्ष भर भूखे-प्यासे घूमते रहे। प्रतिदिन शुद्ध आहार की गवेषणा करते रहे। यह जानते हुए भी कि भूख और प्यास मेरी कर्मजनित नियति है। यह पुरुषार्थ उनकी सहिष्णुता, समता, संयम और संकल्प की पराकाष्ठा का सबूत था। वर्ष भर के तप की पूर्णाहुति जब राजकुमार श्रेयांस द्वारा दिए गए इक्षु रस के सुपात्र दान से हुई तो वह दिन, वह दान, वह दाता, वह तप अक्षय बन गया। भावशुद्धि की प्रकर्षता का वह क्षण सबके लिए प्रेरणा बन गया और उसे अक्षय तृतीया पर्व के रूप में जैन धर्म के अनुयायी एक वर्ष की तपस्या करके मनाते है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

सूचना मिलते ही तेजगढ़ वन परिक्षेत्र से रेस्क्यू करने टीम रवाना

हाईस्कूल के पास मगरमच्छ दिखने से स्थानीय ग्रामीणों में दहशत का माहौल

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

रविवार को ग्राम कलुआ दिनारी में शाम 5 बजे दिनारी हाईस्कूल के पास बनी एक पुलिया से निकल कर खेतों में जाता हुआ विशालकाय मगरमच्छ दिखाई दिया है जिसके बाद लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है मगरमच्छ दिखाई देने की सूचना लोगों द्वारा तेजगढ़ वन परिक्षेत्र अधिकारी नीरज पांडे को दी गई जिन्होंने वन अमले को टीम को तुरंत दिनारी गांव रवाना किया है। दरअसल ब्यारमा नदी से एक मगरमच्छ रहवासी इलाके से खेतों में जा पहुंचा। वहीं पास से गुजर रहे लोगों में मगरमच्छ को देखने के बाद हड़कंप के हालत निर्मित हो गए। वहीं पास में खड़े कुछ लोगों द्वारा खेत में चहल कदमी कर रहे मगरमच्छ का वीडियो बनाकर

सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जिसकी जानकारी तेजगढ़ वन परिक्षेत्र अधिकारी को भी लगी सूचना मिलने के बाद स्थानीय ग्रामीणों का मौके पर जमावड़ा लग गया। जहां कुछ लोगों के द्वारा घटना की सूचना तेजगढ़ वन परिक्षेत्र अधिकारी नीरज पांडे को दी गई। वहीं मौके पर पहुंचने के लिए टीम रवाना हो चुकी है जिसके बाद मगरमच्छ का रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाएगा। ग्रामीणों का कहना है पास में ही ब्यारमा नदी होने के कारण यहां भारी भरकम मगरमच्छ हैं जो आए दिन आते रहते है। जिसको लेकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना रहता है।

उल्लेखनीय है कि कोटखेड़ा तारादेही सर्रा झलौन तेजगढ़ इमलिया होते हुए निकली व्यारमा नदी में हजारों की संख्या में मगरमच्छों का बसेरा है यहां पर बड़ी संख्या में मगरमच्छों को देखा जा सकता है। जुलाई माह में ही व्यारमा नदी में नहाने के दौरान मगरमच्छ द्वारा कई लोगों पर जानलेवा हमला किया था साथ ही एक आठ साल के बच्चे को भी खीच कर पानी में ले गया था। इन हालातों के चलते आमजन को नदी के पास जाने के लिए वन अमले द्वारा प्रतिबंधित कर दिया है। लेकिन लोग अभी भी नदी किनारे जाते हैं वहीं व्यारमा नदी में मगरमच्छों की संख्या ज्यादा होने और गर्मियों के दिनों में कुछ स्थानों पर नदी का पानी सुख जाने के चलते मगरमच्छ नदी से निकलकर यहां वहां पहुंच जाते हैं जिससे लोगों को खतरा बना रहता है मगरमच्छ रहवासी इलाकों में पहुंचने से जिससे आमजन के साथ वन अमले की चिंता भी बढ़ रही है।

तेजगढ़ वन परिक्षेत्र अधिकारी नीरज पांडे ने बताया गया सूचना मिलते ही टीम को भेजा गया है मगरमच्छ का रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाएगा

अयोध्यावासी वैश्य समाज का होली एवं रंगपंमी मिलन समारोह संपन्न

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी अयोध्या वासी गुप्ता समाज की नगर सभा द्वारा सदर बाजार स्थित एक निजी गार्डन में होली एवं रंग पंचमी मिलन समारोह मनाया गया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने कार्यक्रम कर सबका मन मोह लिया। कुमारी ईशा गुप्ता ने श्री राम जी के 108 नाम का जाप कर सुंदर प्रस्तुति दी। वहीं अन्य बच्चों द्वारा भी विभिन्न गानों पर डांस किया गया। होली मिलन समारोह में इटारसी, माखन नगर के सामाजिक

समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए

बंधु भी कार्यक्रम शामिल हुए। रंग गुलाल लगाने के बाद बच्चों को पुरस्कार वितरण किए गए। कार्यक्रम में समाज के नगर अध्यक्ष राजेंद्र कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष रूपेश गुप्ता, सचिव अंकुर गुप्ता, कोषाध्यक्ष मौसम गुप्ता, सह सचिव अमितेश गुप्ता, मीडिया प्रभारी प्रदीप गुप्ता एवं सामाजिक महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे।

कार्यशाला : आ गई डिजिटल बैंकिंग अब बैंक भवन समाया हथेली में

इटारसी, दोपहर मेट्रो

अब तो आ गई है डिजिटल बैंकिंग इसके साथ ही बैंक का बड़ा सा भवन अब समा गया है आपकी हथेली में मोबाईल बैंकिंग के रूप में यह बात राजेश पाराशर ने भारतीय रिजर्व बैंक के जमाकर्ता शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत कही । कार्यशाला का आयोजन जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सतीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यशाला में मुख्य रिसोर्स पर्सन के रूप में के एम दुबे ने बताया कि अपनी बचत का पैसा बैंक में ही क्यो रखा जाना चाहिये , नॉन बैंकिंग फाइनेंसियल कम्पनी क्या हैं डिपोजिट एकाउंट के कितने प्रकार हो सकते हैं। उन्होंने लॉकर सुविधा , लोन के विभिन्न प्रकार जैसे किसान लोन, एजूकेशन लोन, होमलोन की जानकारी दी । नर्मदापुरम संभाग के सर्टिफाईड फाइनेंसियल प्लानर अनिल कुमार साहू ने कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में वित्तीय जागरूकता के लिये भारतीय रिजर्व बैंक के जमाकर्ता शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम ,फिक्स्ड डिपाजिट , रिकरिंग डिपाजिट, करेंट एकाउंट, बेसिक सेविंग बैंक डिपाजिट ,

एफडी और आरडी खातों पर टैक्स देनदारी, बैंक खाता खोलने की प्रक्रिया की जानकारी दी । उन्होंने कहा कि केवाइसी को बोझ न समझें, कार्यशाला में भोपाल से आये एस पुरोहित ने रिसोर्स पर्सन के रूप में कहा कि आजकल जैसे ही आप मोबाईल पर कोई नम्बर डायल करते है तो एक वैधानिक चेतावनी सुनाई पड़ती है । इसे इग्नोर करना आपको भविष्य में नुकसानदायक हो सकता है क्योकि साइबर ठग आपकी एक छोटी सी लापरवाही का इंतजार कर रहे होते हैं ।

प्रतिभागियों को पपेट शो तथा मेजिक शो के माध्यम से वित्तीय जागरूक करने एम एस नरवरिया ने प्रतिभागियों के साथ गतिविधियां की । प्रतिभागियों को रोचक तरीके से वित्तीय जागरूकता का संदेश देने कई खेलों का आयोजन किया गया । सांपसीढ़ी का संचालन हरीश चौधरी ने किया । सही जोड़ी बनाने के खेल को कैलाश पटैल ने करवाया । राजेश पाराशर ने बताया कि कार्यशाला मे बैंक खाते में नामिनेशन डीईए फंड डिजिटल बैंकिंग , क्रेडिट कार्ड, एमएसएमई लोन, शासकीय योजनायें जैसे गैस सब्सिडी, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, अटलपेंशन योजना , दीनदयाल अंतोदय योजना की भी जानकारी दी गई । कार्यशाला का आयोजन ग्राम मोरपानी, डांडीवाड़ा, सहेली में किया गया ।

स्वच्छता अभियान : नर्मदा जल को स्वच्छ बनाए रखे

नर्मदा में पूजन सामग्री, फूल इत्यादि न डालें घाटों पर हो साफ-सफाई : कायस्थ महासभा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदा हमारी जान है. हमारे प्राचीन ग्रंथों में जिक्र आता है कि हम मां नर्मदा में मोटे अनाज और तांबे के सिक्के डालते थे जिससे पानी शुद्ध होता था, लेकिन अब फूल, पत्ती, पूजन सामग्री, पॉलिथीन, कपड़े सहित अन्य सामान लोग डाल जाते हैं । मां नर्मदा के किनारे नगर पालिका को एक कंटेनर या कुंड बनाना चाहिए जिसमें फूल डाले जाएं जिससे खाद बनाई जाए और अगरबत्ती बनाई जाए। हम नर्मदा को मां मानते हैं और दूसरी ओर हम इसमें कचरा डालते हैं , गंदगी करते हैं ऐसा हमें नहीं करना चाहिए । मां को साफ सुथरा रखना चाहिए । यह बात रविवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के साफ सफाई अभियान में चित्रगुप्त घाट पर शामिल हुई नर्मदा महाविद्यालय की शिक्षाविद और केंद्रीय बोर्ड की सदस्य डा. अमिता जोशी ने कहीं । उन्होंने कहा कि मैं कायस्थ महासभा को साधुवाद देती हूं जो यह कार्य कर रहे हैं। सभी समाज के लोगों को शहर वासियों को इस कार्य में आगे

आना चाहिए और साफ सफाई करना चाहिए । हमें और लोगों को इस प्रकार गंदगी नहीं करना चाहिए। इस मौके पर ज्योति अभय वर्मा, सुमन वर्मा प्रीति खरे ऊषा वर्मा,शीतल श्रीवास्तव सारिका सक्सेना ,नीतू श्रीवास्तव , अशोक वर्मा, सी बी खरे, प्रदीप श्रीवास्तव, केशव देव वर्मा, लालता प्रसाद शामिल हुए।प्रोफेसर डॉ बीसी जोशी ने कहा इससे सभी समाज के लोग जुड़ें और मां नर्मदा को स्वच्छ और सरल बनाएं ताकि निश्चित ही इसका आचमन हम कर सके।

गढ़वाल समाज ने भी सफाई अभियान चलाकर की मां नर्मदा के घाटों की सफाई

नर्मदापुरम। मेहर (गढ़वाल)समाज नर्मदापुरम द्वारा विवेकानन्द घाट पर पर्यावरवरण संरक्षण हेतु स्वचछता अभियान चलाया गया।जिसमें सभी स्वजातीय बन्धुओं के साथ साथ अन्य नर्मदा भक्तों ने भी सहयोग प्रदान किया.सफाई के दौरान कचरा पोलीथिन,नारियल बूछ दोना पत्तल अपशिष्ट सामग्री को जलाकर नष्ट किया गया। ज्ञात हो कि समाजिक सदस्यों द्वारा पुण्य सलिला के विभिन्न घाटों पर समय परिस्थिति अनुसार समय समय पर अभियान चलाया जाता है. सफाई कार्य में नर्मदा सेवक राजेश मेहरा,टी आर मोहनिया,देवी मेहर,दीपक पवार,अरूण गढ़वाल,अखिल भारतीय मां नर्मदा परिक्रमा सेवा संघ की प्रदेश महिला विग महासचिव एवं महतारी जनकल्याण समिति अध्यक्ष मीरा गढ़वाल एवं अन्य सेवाभावी ने सहयोग किया।

जिले की 188 ग्रामीण आशाओं ने सर्टिफिकेशन परीक्षा में भाग लिया

नर्मदापुरम. जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार विभिन्न गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है। इसी तारतम्य में आज 23 मार्च 2025 को पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इटारसी में आशा सर्टिफिकेशन परीक्षा का आयोजन हुआ। जिले की 188 ग्रामीण आशाएं, जो कि बाबई एवं डोलरिया विकासखंड से संबंधित हैं, ने इस परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा के आयोजन में केंद्रीय विद्यालय के प्रिंसिपल एवं परीक्षा इंचार्ज श्री तुली जी का विशेष सहयोग रहा। यह परीक्षा तीन चरणों में की जाती है – ऑनलाइन परीक्षा, प्रैक्टिकल परीक्षा, और सैद्धांतिक परीक्षा। उप निदेशक आशा भोपाल ने केंद्रीय विद्यालय ऑर्डिनेंस कारखाने इटारसी का दौरा किया और परीक्षा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

स्मार्ट मीटर से छेड़खानी करने वाले 4 उपभोक्ताओं पर विद्युत कंपनी ने निकाली 1 लाख 25 हजार की रिकवरी

तेंदूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

नगर में स्मार्ट मीटर से छेड़खानी करने वालों पर कार्यवाही की गई , कैसे छेड़खानी करने वाले 4 उपभोक्ताओं पर 1 लाख 25 हजार की बसूली निकल गयी है , मीटर से छेदछाड और मीटर बाईपास के संदेश प्राप्त होने पर यह कार्रवाई की गई है , ज्ञात हो कि विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 11 जनवरी से नगर में स्मार्ट मीटर लगने शुरूआत हो गई हैं नगर के साथ यह ग्रामीण अंचलों में भी लगना शुरू हो गए थे स्मार्ट मीटर से सबसे बड़ा उपभोक्ता को यह फायदा मिलेगा की प्रत्येक माह है ऑटोमेटिक रीडिंग हो जाया करेगी रीडिंग करने वालों की

समस्या भी समाप्त होगी और लोगों को गलत रीडिंग भी नहीं होगी इसके अलावा किसी भी प्रकार से उपभोक्ता द्वारा मीटर से छेड़छाड़ करने पर तत्काल इसका मैसेज सीधे विभाग के पास पहुंचना शुरू हो गए हैं केंद्र सरकार की आर.डी.एस.एस. योजना में विद्युत वितरण कंपनी ने अब स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे हैं कंपनी की ओर से नगर में लगभग कुल 5 हजार स्मार्ट मीटर लगना है अब तक लगभग नगर में 35 सौ से 38 सौ बदले जा चुके हैं स्मार्ट मीटरों से कृषि श्रेणी के अलावा समस्त उपभोक्ताओं के मीटर बदले जाने हैं.

डॉ.तोमर बने अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के जिला उपाध्यक्ष

नर्मदापुरम. सक्रिय समाजसेवी, शिक्षाविद् डॉ. मयंक तोमर को अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष, संभागीय अध्यक्ष दीपक बनोरिया की अनुशंसा पर राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशंकर शुक्ल द्वारा जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है. यह संगठन भारत सरकार के अधीन विधि न्याय एवं कंपनी मामले के अंतर्गत पंजीकृत है जो उपभोक्ताओं के हितों के लिए कार्यरत है. डॉ.तोमर का मनोनयन जिला

पंचायत में अयोजित विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर अयोजित कार्यक्रम में उपभोक्ता अयोग के न्यायाधीश विजय कुमार पांडे, अयोग की सदस्य सरिता दिवेदी की उपस्थिति में किया गया, जिला आपूर्ति नियंत्रक रश्मि साहू ने डॉ.तोमर के मनोनयन पर पुष्पगुच्छ से उनका सम्मान किया,डॉ.मयंक तोमर वरिष्ठ भाजपा नेत्री और सेवानिवृत कृषि अधिकारी श्रीमती प्रेमलता जयसिंह के पुत्र हैं, उनके मनोनयन पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी मीनाक्षी दुबे, वैशाली महतो, समाजसेवी अरुण दीक्षित, केएस राजपूत, अशोक दिबोलिया, अशोक परसाई, लखन रघुवंशी,अकरम खान,केके शर्मा, केएन त्रिपाठी, आदिल फाजली, सुरेंद्रजीत सिंह, किरण शर्मा और सुशीला बर्गले आदि ने उन्हें बधाई दी।

मेट्रो एंकर विश्व हिंदू परिषद ने बलिदान दिवस पर भगत सिंह सुखदेव राजगुरु की प्रतिमा पर किए पुष्प अर्पित

बलिदान दिवस याद दिलाता है कितने बलिदानों से हमें स्वतंत्रता मिली : विहिप

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल दुर्गावाहिनी कार्यकर्ताओं ने 23 मार्च बलिदान दिवस पर बलिदानियों को पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया। 23 मार्च बलिदान दिवस के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल दुर्गावाहिनी द्वारा स्थानीय शिवराज पार्क स्थित शहीद गैलरी में विश्व हिंदू परिषद प्रांत सह धर्माचार्य संपर्क प्रमुख शिव राठौर जिला उपाध्यक्ष प्रवीण अवस्थी की उपस्थिति में कार्यकर्ताओं ने भारत माता के सच्चे सपूत वीर बलिदानी भगत सिंह सुखदेव राजगुरु की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर तिलक लगाकर पुष्प माला अर्पित का बलिदानियों की पुण्यतिथि पर किया नमन किया। इस दौरान शिव राठौर ने कहा कि देश के इन्हीं वीर सपूतों के सम्मान में हर साल 23 मार्च को बलिदान दिवस मनाया जाता है भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल एक राजनीतिक संघर्ष नहीं था बल्कि ये लाखों क्रांतिकारियों के बलिदान त्याग और साहस की अमर गाथा भी हैं वीर भगत सिंह सुखदेव राजगुरु इन तीनों भारत माता के सपूतों ने स्वतंत्रता आंदोलन में हंसते हंसते अपने प्राण न्योछावर किए।

23 मार्च 1931 को अंग्रेजी हुकूमत ने इन वीरों को फांसी दी थी इनका बलिदान हमें याद कराता हे कि भारत भूमि की स्वतंत्रता के लिए लाखों वीरों ने अपने आप को बलिदान किया । विहिप जिला उपाध्यक्ष

प्रवीण अवस्थी ने कहा कि 23 मार्च वह तारीख हे जो दुख गर्व ओर गुस्सा तीनों तरह की भावना पैदा करता है।दुख क्योंकि इसी दिन देश ने इन तीन सपूतों को खोया था गर्व क्योंकि उन वीरों ने हंसते हंसते भारत के लिए अपने प्राण न्योछावर किए गुस्सा क्योंकि ये दिन याद दिलाता है कि ब्रिटिश हुकूमत हम कितने अत्याचार किए भारत की मिट्टी ने ऐसे अनगिनत जांबाज पैदा किए जिन्होंने निस्वार्थ अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया अवस्थी ने कहा कि शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशा होगा। यह दिवस आत्मचिंतन संकल्प का दिन हे हम उनके बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देंगे अंत में सभी ने भारत भूमि की रक्षा का संकल्प लिया। कार्यकर्ताओ ने वंदे मातरम भारत माता की जय वीर बलिदानी भगत सिंह सुखदेव राजगुरु अमर रहे अमर रहे आदि उद्घोष कर रहे थे।

युवा मोर्चा ने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को दी श्रद्धांजलि

इटारसी। 23 मार्च को शहीद दिवस के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा इटारसी द्वारा शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान दिवस पर नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे के कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। 1931 में इसी दिन अंग्रेजों ने लाहौर जेल में इन तीनों क्रांतिकारियों को फांसी दी थी। इसी कारण 23 मार्च को पूरे देश में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। श्रद्धा सुमन अर्पित करने के अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने देश की आजादी के लिए कुर्बान हुए तीनों शहीदों के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इन वीर सपूतों के बलिदान की वजह से ही आज हम एक स्वतंत्र देश में सांस ले रहे हैं।

प्रशासन की अनदेखी और व्यापारियों की मनमानी : आनंदपुर कस्बा में सड़कों पर पसरा अतिक्रमण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

प्रशासन की अनदेखी और व्यापारियों में एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ के चलते आनंदपुर बाजार में अतिक्रमण की समस्या दिनोदिन विकराल रूप लेती जा रही है।

बाजार की सुंदरता पर लगा ग्रहण

व्यापारियों द्वारा एक दूसरे से आगे निकलने के फेर में बाजार की सुंदरता नष्ट हो रही है। हालत यह है कि बाजार की सभी दुकानें बेतरतीब ढंग से आगे पीछे मिलेंगी। लगातार एक दूसरे से आगे निकलने की होड़, छोटे व्यापारियों को कर्ज लेकर दुकानें

आगे बढ़ाने को मजबूर कर रही हैं।

दुर्घटनाओं में हो रही है वृद्धि

जन चेतना मंच के सूरज सिंह ने बताया कि कस्बा में सोमवार को हाट लगती है। जिसमें अनेक ग्रामों से हजारों की संख्या में व्यक्ति सामग्री खरीदने आते हैं। जिनके कारण आए दिन सड़क पर जाम की स्थिति बन जाती है। ऐसी ही घटनाओं में अब तक दो व्यक्तियों की मृत्यु भी हो चुकी है।

बेची जा रही अवैध दुकानें

बाजार में अतिक्रमण बढ़ने का एक कारण गुमटी वाले दुकानदारों द्वारा अवैध रूप से दुकानों की बिक्री करना भी है। यह छोटे दुकानदार धीरे धीरे दुकानें बढ़ाकर फिर उन्हें गुमटी सहित बेंच देते हैं। बाजार में इसलिए भी अतिक्रमण की समस्या बढ़ती जा रही है।

अधूरा हाट बाजार

सड़क दुर्घटनाओं की और प्रतिदिन लगने वाले जाम से निजात पाने के लिए ग्राम पंचायत ने ग्राम से बाहर जावती रोड पर हाट बाजार हेतु वर्ष 2016-17 में स्थाई दुकानें बनाकर भी देनी चाही। किंतु उस पर विवाद के चलते कार्य लंबित अवस्था में ही पड़ा है।

धूमधाम से मनाया भगवान आदिनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव

एक हजार वर्ष तपस्या के बाद आदिनाथ को प्राप्त हुआ कैवल्यज्ञान : आर्यिका माता जी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

जैन समाज के श्री 1008 भगवान आदिनाथ के जन्म एंव तप कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में दिगम्बर जैन बडा मंदिर व दिगम्बर जैन पचखनी मंदिर में भगवान आदिनाथ का जन्म कल्याणक महोत्सव बडें ही धूमधाम से मनाया गया। प्रातः काल प्रभात फेरी व जैन मंदिरों में शांतिधारा, पूजन, पाठ, विधान सम्पन्न हुए। तो वही जिन शासन एकता संघ द्वारा वृद्ध आश्रम पहुचकर गरीबो को भोजन कराया।

श्री 1008 भगवान आदिनाथ के जन्म एंव तप कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में जिन शासन एकता संघ के प्रमुख जितेन्द्र जैन बब्लू के नेतृत्व में लिंक रोड स्थित वृद्ध आश्रम पर जैन समाजजनो ने वृद्धो को भोजन का वितरण किया गया। इस मौके पर राजेश जैन,रामकुमार जैन,संजय जैन,अनिल जैन सिघई,विक्रांत जैन,संदीप जैन,प्रवीण जैन मौजूद रहे।

दिगम्बर जैन बडें मंदिर में आर्यिका सूक्ष्ममति माता जी निर्मला दीदी के सादिंध्य में विभिन्न कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निर्मला दीदी ने कहा कि इस पृथ्वी के प्रथम महापुरूष पुरूदेव आदिनाथ तीर्थकर थें। वही उन्होने कहा कि युग के आदि में एक ऐसे महापुरूष ने इस धरती पर जन्म लिया था। जब इस सम्पूर्ण पृथ्वी पर भोग उपभोग की साम्रगिया समाप्त होने लगी थी। जो सभी मनुष्यो को कल्पवृक्षो से प्राप्त होती थी। कल्पवृक्ष 10 प्रकार के होते थें कल्पवृक्ष तेजांग नाम के इतना तेज उजाला प्रकाश होता है कि वहा कभी रात नही होती। जब इस पृथ्वी पर यह कल्पवृक्ष होते थे। उसे भोग भूमि कहा जाता था। जैसे-जैसे वृक्षो से वस्तुंए देने कम होने लगी तो उसी क्रम से कर्मभूमि प्रारंभ होने लगी। भोग भूमि में तो मनुष्य एक दो तीन दिन के बाद भोजन बेर,आंवला के बराबर करते थे। शरीर की लम्बाई 3 से 6 व 9 किलो मीटर होती थी। सभी मनुष्यो की धीरे-धीरे कल्पवृक्ष के नष्ट हो जाने पर उस समय की समस्त जनता दुखी हो गई। ऐसे समय में अयोध्या नगरी में तिपा नाभिराय एंव माता मरूदेवी के गर्भ में स्वर्ग से आदिनाथ वृषभदेव का अवतार हुआ। जिन महापुरूष के गर्भ में आने के माह पहले ही आकाश से प्रतिदिन सुबह दोपहर और शाम रात्रि चार वार रत्नो की वर्षा मां के आंगन नगर में होती थी। फिर गर्भ में आने के 9 माह तक जन्म होने तक हर बार साढे तीन करोड रत्नो की वर्षा सौधर्म इन्द्र की आज्ञा से कुबेर आकाश से करते थे।

ऐरावत हाथी पर बैठकर अयोध्या नगरी आते है भगवान इंद्र

दिगम्बर जैन बडें मंदिर में कार्यक्रम के दौरान आर्यिका सूक्ष्ममति माता जी ने कहा कि जैसे ही तीर्थंकर बालक का जन्म होता है वैसे ही स्वर्गो में देवो विमान में घंटा, सिंहनाद,शंख,नगाडे बनजे लगते है। इससे देव लोग समझ जाते है कि पृथ्वी पर तीर्थंकर प्रभु बालक का जन्म हो गया है। तब स्वर्ग में रहने वाले देव बालक को नमस्कार करते है एंव सौधर्म इन्द्र तुरन्त स्वर्ग से एक लाख योजन लम्बे वाले ऐरावत हाथी पर बैठकर जिस हाथी की अनेक सुडे व दांत होते है। उन दांतो पर सरोवर होते है तो उन पर देविया नृत्य करती है। ऐसे हाथी पर बैठकर इन्द्र आदि समस्त देव भगवान की जन्म नगरी अयोध्या आते है। हाथी आकाश में खडा रहता है और सौधर्म इन्द्र व अन्य देवी शची महल में जाकर प्रभु बालक को देखकर अत्यन्त हर्षित होती हैं। फिर वह प्रभु बालक की माता को माया मयी निद्रां में सुलाकर प्रभु बालक को अपनी गोद में उठा लेती है। इसके बाद मां के पास माया मयी बालक बना कर सुला देती है। बालक को कक्ष के बाहर खडें सौधर्म इन्द्र को दे देती है। बालक की सुन्दरता को देखने वह एक हजार नेत्र बनाते है फिर भी वृत्त नही होता। तो वही सौधर्म इन्द्र बालक को गोदी में लेकर ऐरावत हाथी पर बैठकर नृत्य गान आंनद मनाते हुए सुदर्शन मेरू पर्वत पर ले जाते है। जो पर्वत इस पृथ्वी से एक लाख योजन ऊंचा है। वहा सिंहासन पर बालक को बैठाकर क्षीर सागर के जल से 1008 कलशो से तुरन्त जन्में शिशु बालक प्रभु का अभिषेक करते है और सुदर्शन पर्वत से आकर बालक को माता-पिता को सौपकर भगवान का जन्म कल्याणक मनाकर अपने अपने स्वर्गो में चले जाते है।

वही उन्होने कहा कि भगवान आदिनाथ का जन्म चैत्रकृष्ण नोमि को अयोध्या नगर में हुआ था।

उन वीतराग तीर्थंकर प्रभु के जन्म को ही जन्म कल्याणक कहा जाता है। क्योकि अब उनका दूबारा जन्म नही होगा। प्रभु के जन्म के प्रभाव से तीनो लोको में आनंद और सुख का प्रसार होता है। उनके जन्म के प्रभाव से पृथ्वी सभी प्रकार के धन्य धान से परिपूर्ण हो जाती है। आदिनाथ भगवान इस पृथ्वी पर प्रथम तीर्थंकर थे उनके बाद 23 तीर्थंकर अजितनाथ,संभवनाथ, अभिनंदननाथ,सुमतिनाथ, पदमप्रभु,सुपार्श्वनाथ, चन्द्रप्रभु, पुष्पदंत, शीतलनाथ, श्रेयांसनाथ,वासुपूज्य, विमलनाथ,अंनतनाथ,धर्मनाथ,शांतिनाथ,कुन्भुनाथ,अरनाथ,मल्लिनाथ,मुनि सुव्रतनाथ,नमिनाथ, 22 वे तीर्थंकर व नेमीनाथ 23 वे पार्श्वनाथ एंव 24 वे तीर्थंकर महावीर स्वामी जी है। आदिनाथ भगवान के जन्म से पहले इस धरती पर जनता बहुत दुखी थी। कोई भी नही जानता था कि जीवन चलाने के लिए क्या किया जाए। एक दिन नागरिक आदि प्रभु के पिता के पास गए और बोले हम लोग भूखे मर रहे हमें कुछ बताए तब पिता नाभिराय ने कहा कि पुत्र आदि कुमार के पास जाइए वह आप लोगो के सब दुख दूर करने में समर्थ है उनके पास अवधि ज्ञान है वह सब जानता है। जैसे ही नागरिक आदि कुमार के पास पहुचे और अपने दुखो को बताया। तो आदि कुमार ने उनके दुखो को सुनकर उपाय बताया कि आप लोग अब कर्म कीजिए क्योकि अब कल्पवृक्ष नष्ट हो गए है। इसलिए जीविका को चलाने के लिए कर्म करना पडेगा। आदिकुमार ने सभी पर दया कर उपदेश दिया कि अब पट कर्म करना सीखिए।

आदिनाथ भगवान ने सिर्फ जीने की ही कला नही सिखाई बल्कि उन्होने मरण के दुखो से वचने की भी कला सिखाई और समस्त प्रजा को आदिनाथ प्रभु ने 63 लाख पूर्व तक राज्य किया। उनकी आयु 84 लाख पूर्व थी। नीलाजंना नृत्य देखने पर उस के मरण से आदिनाथ कुमार को वैराग्य आ गया। उनकी आंखो के सामने नीलाजंना का मरण हो गया। जीवन को क्षण मंगुर समक कर तत्काल ही राज्य का भार पुत्रो को सौपकर वन में जाकर सन्यास धारण कर अपने हाथो से सिर मुछ,मुंह के वालो को उखाड कर फेक दिए और समस्त वस्त्रो,अंभूषणो को उतारकर वीतरागी दिगम्बर दीक्षा लेकर 6 माह तक आहार पानी का त्याग कर खडें रहें। साथ ही 6 माह बाद वह आहार को निकले पर सारी पृथ्वी की जनता दिगम्बर जैन मुनि को आहार कैसे दिया जाता है इस विधि से वह अनभिस थी। क्योकि दिगम्बर मुनि किसी से कुछ मागंते नही है। इस कारण आदिनाथ भगवान के एक साल से कुछ दिन अधिक उपवास हो गए। एक वर्ष बाद जब बिहार करते हुए भगवान आदिनाथ हस्तानापुर नगर पहुचे तब वहा के राजा ने पड़गाहन किया। आइए स्वामी नमोस्तु आहार,जल शुद्ध है उन्हे उच्चासन पर बैठाया और पूजा, परिक्रमा लगाई। मन वचन काय शुद्ध है स्वामी आहार ग्रहण किजिए ऐसा बोलकर गन्ने का रस दिया। जो प्रभु ने एक साल के बाद सिर्फ तीन अजुंली लिया और पुनः वन की ओर जाकर ध्यान में लीन हो गए।

शाला में पहला कदम, एक अप्रैल से मनेगा प्रवेश उत्सव

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में स्कूल शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों द्वारा संयुक्त पहल कर शाला में पहला कदम अभियान के शत प्रतिशत उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए चैतरफा प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। गौरतलब हो कि इस वर्ष एक अप्रैल से स्कूल में प्रवेश उत्सव का आयोजन किया जाना ततंसंबंध में शासन स्तर पर जारी निर्देशों का विदिशा जिले में क्रियान्वित कराने के लिए विभिन्न स्तरों पर आवश्यक जवाबदेही सौंपी गई है। जिसमें जनप्रतिनिधियों और जनसामान्य से सहयोग अपेक्षित किया गया है।

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में एसडीएम स्तर पर बैठकें कर मंशा को मुर्त रुप दिया जा रहा है। गत दिवस बासौदा एसडीएम विजय राय ने अनुविभाग स्तरीय बैठक आयोजित कर शाला में पहला कदम अभियान की मंशा के क्रियान्वयन में बासौदा अनुविभाग पिछड़े ना इसके लिए सभी को सहयोग करने का अहवान किया है।

शाला में पहला कदम अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए हर स्तर पर कार्य किए जा रहे।इसी कड़ी के तहत दिवार लेखन के माध्यम से संदेशों को अंकित कर प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

जिला शिक्षा अधिकारी आर के ठाकुर ने बताया कि जिला का एक बच्चा स्कूल में दाखिला से वंचित ना रहे सभी बच्चे समय पर स्कूल आए इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता से कियान्वयन किया जा रहा है। डीपीसी श्री आरपी लखेर ने बताया कि कक्षा पहली में 6 वर्ष तक के सभी बच्चों का दाखिला हो इसके लिए आंगनबाडियों में उक्त आयु को पूरा करने वाले दर्ज बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस कार्य में आंगनवाड़ी केन्द्रों के अमले का भी सहयोग लिया जा रहा है। नवप्रवेशी सभी बच्चों को प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में किट वितरण की जाएगी।

माहमाई मेला 25 से, तैयारियां अंतिम चरण में

सिरोंज। नगर की आराध्य देवी महामाई के दरबार में चैत्र नवरात्रि पर विशाल मेले का आयोजन होता है। श्री दुर्गा सत चंडी यज्ञ साथ प्रतिदिन धार्मिक संस्कृति कार्यक्रम भी संपन्न होंगे साथ ही माता रानी की सुबह-शाम विशेष आरती होती है। हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। नव कन्या पूजन के बाद विशाल भंडारा भी आयोजित होगा जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु भोजन प्रसादी ग्रहण करेंगे इस बार प्रशासन के द्वारा मैली की तैयारी है पहले से प्रारंभ कर दी गई है। विधायक उमाकांत शर्मा के द्वारा भी आयोजन को लेकर कई बार बैठक करके समय से पहले व्यवस्थाएं करने के दिशा निर्देश दिए हैं और अलग-अलग जिम्मेदारी भी दी गई है विभागों के द्वारा काम प्रारंभ कर दिए हैं तैयारी अंतिम चरणों पर है इस बार अस्थाई शौचालय भी प्रशासन के द्वारा बनाए गए हैं। मीना बाजार भी लगेगा साथ ही व मेला लगता है उसमें दुकानें लेने के लिए भी लोग पहुंच रहे हैं नगर पालिका इस काम को कर रही है। चौड़ी रोड बनने से ट्रैफिक की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी इस बार अच्छी व्यवस्थाएं नजर आ रही हैं।

9 दिवसीय संगीतमय भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ एवं भव्य कलशारोहण समारोह का 29 से आयोजन

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

29 मार्च से चेक की नवरात्रि शुरू हो रही है इसी को लेकर देवी मंदिरों की साफ सफाई का कार्य शुरू हो गया है इस अवसर पर नगर में पावन चैत्र नवरात्रि पर्व पर बड़ी खेरमाई धाम में नौ दिवसीय संगीतमय श्रीमद्देवी भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ एवं विशाल कलशारोहण समारोह सम्पन्न होने जा रहा है। जिसमें कथा व्यास एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता परम पूज्य पं. श्री रामनयन जी महाराज श्रीधाम पधार रहे खेर माता मंदिर में भव्य कलशारोहण कार्यक्रम 2 अप्रैल समय- प्रातः 7.44 से प्रातः 9.17 तक रखा गया है नौ दिवसीय भागवत कथा का समय दोपहर 3 बजे से 6 बजे तक का है कार्यक्रम के अनुसार 29 मार्च को कलश यात्रा, श्री गणेशपूजन, श्री मद्देवी भागवत

महात्म्य कथा, 30 मार्च सत्यवती एवं व्यासजी महाराज के जन्म की कथा , 31 मार्च राजा जन्मेजय एवं श्री कृष्ण जी की कथा एवं श्री कृष्ण भगवान से प्रश्न पूछना , 1 अप्रैल महिषासुर उद्धार की कथा एवं महात्म्य , 2 अप्रैल लक्ष्मी पुत्र एक वीर का जन्म, च्यवन मुनि का विवाह त्रिशंकु की कथा, राजा हरिश्चन्द्र का आख्यान , 3 अप्रैल श्री विश्वामित्र जी की कथा, 4 अप्रैल भगवान सूर्यदेव की कथा , 5 अप्रैल श्री तुलसी जी के विवाह की कथा , 6 अप्रैल श्री रुद्राक्ष का महात्म्य एवं कथा विश्राम ,7 अप्रैल हवन पूर्णाहुति, कन्या भोजन एवं विशाल भंडारा का भव्य आयोजन किया गया है कार्यक्रम के आयोजक समस्त नगरवासी एवं धर्मप्रेमी बन्धु है कार्यक्रम के निवेदक मां बड़ी खेरमाई मंदिर समिति ने सभी स्वजन एवं कुटुम्बीजन इष्टमित्रों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर आयोजन को भव्य बनाने में सहयोग प्रदान करें तथा पुण्यलाभ अर्जित करें।

बोनस के साथ 2600 रुपए प्रति क्विंटल में खरीदा जाएगा किसानों से गेहूं, पंजीयन के लिए 8 दिन शेष

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के लिए शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीद की जाती है। शासन द्वारा वर्तमान वर्ष के लिए गेंहू का समर्थन मूल्य 2425 रुपए तथा सरकार द्वारा घोषित 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस के साथ किसानों से 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेंहू का उपार्जन होगा। समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन जारी है। पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई है। किसान एमपी किसान एप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा ई-उपार्जन मोबाइल एप पर अपना पंजीयन करा सकते हैं।

इस संबंध में जिला आपूर्ति अनिल तंतुवाय ने बताया कि विदिशा जिले में गेंहू उपार्जन के लिए 185 खरीदी केन्द्र निर्धारित किए दिए गए हैं। किसान इन खरीदी केन्द्रों में गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन करा सकते हैं। सभी किसान निर्धारित खरीदी केन्द्रों में अपना आनलाइन पंजीयन अवश्य करायें। पंजीकृत किसानों से ही समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीद की जायेगी।

किसान चाहें तो स्वयं के मोबाइल, कम्प्यूटर, खरीदी केन्द्र तथा ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र में पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। इसके अलावा यदि किसान 50 रुपए का शुल्क देकर एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र तथा साइबर कैफे में पंजीयन करा सकते हैं।

जिला आपूर्ति अधिकारी श्री तंतुवाय ने बताया कि पंजीयन के समय किसान आधार संख्या से लिंक बैंक खाते दर्ज करें जिससे ऑनलाइन भुगतान किया जा सके। पंजीयन कराने के लिए किसान को बोये गये खेत के खसरा नंबर की ऋण पुस्तिका, आधार से लिंक बैंक खाते की जानकारी देकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। बटाईदार एवं सिकमी किसानों के लिए भी ऑनलाइन पंजीयन की व्यवस्था की गयी है। केवल पंजीकृत किसानों को ही गेंहू उपार्जन का लाभ दिया जायेगा।

जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अनिल तंतुवाय ने बताया कि जिले में रविवार 23 मार्च तक समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के लिए 73737 किसानों के द्वारा पंजीयन कराया जा चुका है। जिसमें सर्वाधिक विदिशा ग्रामीण तहसील में 14540 किसानों ने तत्पश्चात सिरोंज में 9940, बासौदा में 7780, कुरूवाई में 6744, नटेरन में 7249, शमशाबाद में 7542, लटेरी में 5221, गुलाबगंज में 3736, ग्यारसपुर में 4156, त्यौदा में 3385,पठारी में 2257 और विदिशा शहरी तहसील क्षेत्र में 1687 किसानों ने पंजीयन कराय है।

समर्थन मूल्य पर विक्रय हेतु 87955 किसानों ने कराया पंजीयन

सिरोंज विदिशा जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं,चना मसूर और सरसों की फसल विक्रय के लिए कुल 87955 किसानों के द्वारा रविवार तक पंजीयन कराया गया है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अनिल तंतुवाय ने बताया कि अब सिर्फ गेहूं के लिए किसान भाई अपना पंजीयन 31 मार्च तक करा सकते शेष फसलें जैसे चना मसूर और सरसों के लिए पंजीयन की अवधि समाप्त हो चुकी है। अब तक पंजीकृत किसानों की कुल संख्या 87955 है। जबकि गेहूं के लिए 73737 किसानों, चना हेतु 23749 ने मसूर के लिए 23451 ने वही सरसों फसल विक्रय के लिए 3358किसानों के द्वारा पंजीयन कराया गया है। गेहूं के लिए सर्वाधिक विदिशा ग्रामीण तहसील क्षेत्र में 14540 किसानों के द्वारा पंजीयन कराया गया है। वही चना के लिए सर्वाधिक बासौदा तहसील में 4538 किसानों ने मसूर के लिए सिरोंज तहसील में 5579 किसानों ने तथा सरसों फसल के लिए भी सिरोंज तहसील में 1018 किसानों ने सर्वाधिक पंजीयन कराया है। विदिशा जिले में अब तक गेहूं चना मसूर और सरसों की फसल समर्थन मूल्य पर विक्रय करने हेतु सर्वाधिक पंजीयन विदिशा ग्रामीण तहसील क्षेत्र में 15536 किसानों के द्वारा कराया गया है जबकि सबसे कम विदिशा शहरी तहसील क्षेत्र में 1801 किसानों ने पंजीयन कराया है इसके पश्चात सिरोंज तहसील में 12005 बासौदा में 10385 कुरवाई में 9152 नटेरन में 8105 शमशाबाद में 7724 लटेरी में 6221 गुलाबगंज में 4804 ग्यारसपुर में 4673 त्यौदा में 4448 तथा पठारी तहसील में 3101 किसानों के द्वारा पंजीयन कराया गया है।

ईद को लेकर जामा मस्जिद इंतेजामिया कमेटी की कोई बैठक

सिरोंज। सिरोही रविवार को ईदुलफितर के त्यौहार को लेकर जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी की बैठक शहर काजी अब्दुल रशीद खान और जामा मस्जिद इमाम नूरुद्दीन की मौजूदगी में आयोजित हुई इसमें आने वाले त्यौहार ईदुल फितर मीठी ईद है इसको लेकर सभी उपस्थित लोगों ने अपनी अपनी बात रखी सबसे पहले ईदगाह पर नमाज के बारे मे मशवरा हुआ उसके बाद जामा मस्जिद, एवं अन्य मस्जिदों मे ईद की नमाज को लेकर चर्चा की गई। ईद की विशेष नमाज ईदगाह पर ही संपन्न होगी। कमेटी के अध्यक्ष डॉ. वसीम ने बताया कि ईद के दिन ईदगाह एवं जामा मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में ईद की नमाज को लेकर समय निश्चित किए गए ईद के दिन ईदगाह पर सुबह 7.15 बजे ईद की नमाज अदा की जाएगी इसके बाद 7.30 जामा मस्जिद, में बिलाल मस्जिद में 7.45, ताज मस्जिद में 8 एवं मस्जिद कमनगिरान में 8.15 बजे ईद की नमाज अदा की जाएगी।

ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के जिला अध्यक्ष बने अल्ताफ

सिरोंज। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के संरक्षक मोहम्मद दानिश खान , प्रदेश अध्यक्ष तनवीर कुरेशी की सहमति से अल्ताफ खान को मुस्लिम त्योहार कमेटी का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस दौरान उनके चाहने वालों ने उन्हें बधाई दी है।

रोहतक में ट्राई नेशन बेल्ट रेसलिंग कप : भारत रूस व उज्बेकिस्तान के 92 खिलाड़ी शामिल

रोहतक, एजेंसी

भारत-रूस-उज्बेकिस्तान बेल्ट रेसलिंग कप 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। स्पर्धा में मुरादपुर टेकना गांव के विशाल ने रजत पदक, जींद जिले के बेलरखा गांव के गुरमित ने कांस्य व सोनीपत जिले के गांव लोहारी टीबा निवासी हितेश ने कांस्य पदक जीता। प्रतियोगिता में तीन देशों के ओलंपिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पाथवे ग्लोबल अलायंस के सदस्य वरुण कश्यप ने बताया कि बेल्ट रेसलिंग के आयोजन का उद्देश्य शहीद भगत सिंह को याद करना है। युवाओं को शहीदों के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। यह उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का प्रयास है, जिनकी बदौलत हमें आजादी मिली। 3 देशों के खिलाड़ी ले रहे हैं। पदक विजेताओं ने अपनी संघर्ष गाथा और उपलब्धियां साझा कीं। हितेश पहलवान ने बताया कि पिता जयप्रकाश को पहलवानी का शौक का था। वे चाहते थे कि मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक हासिल करूं। 2018 में पिता के कहने पर ही कुश्ती खेलना शुरू किया था। मां सोनिया आंगनबाड़ी वर्कर है व बहन भावना योग खिलाड़ी है। भावना ने 2023 में नेशनल प्रतियोगिता में रजत पदक जीता है। सिरपुर अखाड़ा दिल्ली में अभ्यास करता हूं इस प्रतियोगिता में 90 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक जीता। वर्ष 2022 में स्कूली स्टेट प्रतियोगिता, बेल्ट रेसलिंग प्रतियोगिता और महाराष्ट्र में आयोजित बेल्ट रेसलिंग में स्वर्ण पदक जीता। 2024 कॉम्बेट फेडरेशन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के साथ इंटर कॉलेज प्रतियोगिता में भी रजत पदक जीता। क्षेत्र और देश का नाम रोशन करने के लिए अथक परिश्रम जारी रहेगा। पहलवान विशाल ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक में पहलवान बजरंग पूनिया ने कांस्य पदक जीता। उस मैच को मैं देख रहा था। उसके बाद से मैंने कुश्ती खेलना शुरू किया। पिता निर्भय सिंह गांव के सरपंच है, मां रितु

ओलिंपिक पहलवानों ने दिखाया दम

गृहिणी व दो भाई हैं। बेल्ट रेसलिंग कप में 100 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक जीत चुका हूं। 2022 में स्कूली नेशनल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। अपना खेल कौशल सुधारने के लिए प्रताप स्पोर्ट्स अकादमी खरखौदा में अभ्यास करता हूं। ओलंपियन पहलवान सुशील कुमार मेरे आदर्श हैं।। पिता दलबीर खेती करते हैं, मां राजबाला गृहिणी व चार भाई-बहन हैं। 2022 में जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में रजत पदक, ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी में स्वर्ण पदक, खेलो इंडिया में स्वर्ण पदक, फेडरेशन कप जूनियर में स्वर्ण और 2022 में ही ग्रांड प्रिक्स में स्वर्ण पदक जीता। इस प्रतियोगिता में 82 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक जीता। मेहर सिंह अखाड़े में कोच रणबीर ढाका मार्गदर्शन में अपना हुनर निखार रहा हूं।

विशाखापट्टनम में डीसी से पहली बार होगा सामना

आईपीएल: आज दिल्ली और लखनऊ के बीच होगा मैच

विशाखापट्टनम, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें सीजन के चौथे मैच में आज दिल्ली कैपिटल्स का सामना लखनऊ सुपरजायंट्स से होगा। मैच दिल्ली के सेकेंड होमग्राउंड डॉ राजशेखर रेड्डी क्रिकेट स्टेडियम, विशाखापट्टनम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। यहां दोनों टीमें पहली बार एक-दूसरे का सामना करेंगी।

आज दो टीमों के पूर्व कप्तान अपनी ही पुरानी टीम के खिलाफ उतर सकते हैं। पिछले साल ऋषभ पंत दिल्ली और केएल राहुल लखनऊ के कप्तान थे। पंत को लखनऊ ने मेगा ऑक्शन में 27 करोड़ रुपए में खरीदा, जो इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। वहीं, राहुल को दिल्ली ने 14 करोड़ रुपए में टीम के साथ जोड़ा था। हेड टु हेड में आगे लखनऊ लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच आईपीएल में अब तक 5 मैच खेले गए। 3 में लखनऊ और 2 में दिल्ली को जीत मिली। विशाखापट्टनम में दोनों टीमें पहली बार भिड़ेंगी। दोनों टीमों को पहली आईपीएल ट्रॉफी का इंतजार है।

दिल्ली की बैटिंग-बॉलिंग दोनों मजबूत दिल्ली के स्टार्क और मुकेश कुमार नई गेंद, वहीं नटराजन और मोहित शर्मा डेथ ओवर्स में बेहतरीन हैं। मिडिल ओवर्स के लिए कुलदीप और अक्षर भी रन खर्च करने में कंजूसी करते हैं। विस्फोटक बैटिंग के दम पर टीम बड़े से बड़ा स्कोर बनाने पर फोकस करेगी।

लखनऊ की फिनिशिंग बेहद मजबूत निकोलस पूरन, डेविड मिलर, शाहबाज अहमद और अब्दुल समद फिनिशिंग को मजबूत कर रहे हैं। ऋषभ पंत ढक्कमें तेज खेलते हैं, जो मिडिल ऑर्डर को भी मजबूती देंगे। हालांकि, टीम का ओपनिंग कॉम्बिनेशन क्या होगा, यह देखना अहम होगा।

केएल राहुल का शुरुआती 2 मैच खेलना मुश्किल विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल दिल्ली कैपिटल्स के लिए शुरुआती दो मैचों से बाहर हो सकते हैं। यह जानकारी दिल्ली कैपिटल्स से खेल रहे मिचेल स्टार्क की पत्नी और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एलिसा हीली ने हाल ही में दी थी। उन्होंने बताया, केएल राहुल की पत्नी अथिया शेट्टी मां बनने वाली हैं। इसी वजह से वे लीग के शुरुआती 2 मैचों से बाहर हो सकते हैं।

पिच रिपोर्ट विशाखापट्टनम की पिच बैटिंग-फ्रेंडली मानी जाती है। विशाखापट्टनम में अब तक 15 ढक्कमैच खेले गए। इसमें 8 में पहले बैटिंग और 7 में चेज करने वाली टीमों ने जीत दर्ज की। यहां का हाईएस्ट टीम स्कोर 272/7 है, जो कोलकाता नाइट राइडर्स ने पिछले सीजन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बनाया था।

वेदर कंडीशन विशाखापट्टनम में सोमवार का मौसम मैच के लिहाज से थोड़ा खराब रहेगा। बारिश की 61त्न आशंका है। दोपहर में धूप तो रहेगी, लेकिन बारिश भी होने की संभावना है। यहां का टेम्परेचर 26 से 31 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। हवा की रफ्तार 13 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी।

पॉसिबल प्लेइंग-12 दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), जैक फ्रेजर-मैगर्क, फाफ डु प्लेसिस, अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, मिचेल स्टार्क

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद लिया फैसला

भारत के लिए अच्छा फैसला : मुक्केबाजी को फिर मिलेगी ओलंपिक में जगह

कोरटा नवारिनो, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) के कार्यकारी बोर्ड ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के खेल कार्यक्रम में मुक्केबाजी को शामिल करने को मंजूरी दे दी है। निवर्तमान आइओसी अध्यक्ष थॉमस बाक ने यहां आइओसी कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद यह फैसला लिया। गौरतलब है कि मुक्केबाजी 1904 से ओलंपिक खेल का हिस्सा रहा है, लेकिन संचालन और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित मुद्दों के कारण आइओसी ने 2019 में अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ की मान्यता को निलंबित कर दिया था।

इस शर्त पर भाग लेने की मंजूरी: आइओसी ने कहा कि यह दुनियाभर के मुक्केबाजों के लिए बेहद अच्छी खबर है कि वे फिर ओलंपिक खेलों में चुनौती पेश कर पाएंगे। हालांकि ओलंपिक में उन्हीं देशों के मुक्केबाजों को मौका मिलेगा, जिनके राष्ट्रीय महासंघ को विश्व मुक्केबाजी से मान्यता मिली हुई है। आइओसी कार्यकारी बोर्ड ने भले ही मुक्केबाजी को ओलंपिक 2028 में शामिल करने की मंजूरी दे दी है, पर अभी एक बाधा और पार करनी है। अगले सप्ताह आइओसी की फुल मेंबर मीटिंग होने वाली है।

मेट्रो बाजार

यूपीआई फ्रॉड को रोकने के लिए अब खत्म होगा पुल ट्रांजेक्शन!

नईदिल्ली, एजेंसी

यूपीआई के जरिए होने वाले फ्रॉड को रोकने के लिए नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनसीपीआइ बैंकों के साथ मिलकर पुल ट्रांजैक्शन यानी मर्चेंट की ओर से ग्राहक को भेजे जाने वाले पेमेंट रिक्वेस्ट को सीमित करने या खत्म करने पर विचार कर रहा है। ग्राहकों की सुरक्षा को देखते हुए यह कदम जरूरी माना जा रहा है। इसके लिए एनसीपीआइ की बैंकों के साथ शुरुआती बातचीत चल रही है।

1 अप्रेल से बंद होंगे ये यूपीआइ अकाउंट: एक अप्रेल से बैंक गूगल पे, फोनपे, पेटीएम जैसे ऐप से जुड़े उन यूजर्स के यूपीआइ अकाउंट को बंद कर देंगे, जिनका मोबाइल नंबर काफी समय से इनएक्टिव है। अगर किसी नंबर का इस्तेमाल 90 दिन तक नहीं किया जाता है तो इनएक्टिव हो जाता है। ऐसे नंबर नए यूजर्स को दिए जाते हैं। ये नंबर आपके बैंक, अन्य फाइनेंशियल सेवाओं से जुड़े होते हैं तो समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में यदि आप यूपीआइ आइडी एक्टिव रखना चाहते हैं, तो मोबाइल तुरंत रिचार्ज करें।

फ्रॉड में इस्तेमाल: पुल ट्रांजैक्शन की सुविधा के तहत मर्चेंट अपने ग्राहक को पेमेंट रिक्वेस्ट भेजते हैं और ग्राहक उस रिक्वेस्ट को अप्रूव कर पेमेंट कर सकता है।

देश में 10 साल में 300 गुना बढ़ीस्टार्टअप की संख्या!

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह का दावा है कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पिछले 10 साल में देश में स्टार्टअप की संख्या करीब 300 गुना बढ़ी है। 2014 में देश में करीब 350 स्टार्टअप थे। कार्मिक राज्य मंत्री ने कहा, आज वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र भारत के पास है। खास बात है कि यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते यूनिकॉर्न का घर है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप कंपनियों को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर से ज्यादा होता है। सिंह ने कहा, मोदी सरकार के आने के बाद से अंतरिक्ष क्षेत्र पर ज्यादा जोर दिया है। इसे निजी क्षेत्र के लिए खोले जाने के बाद से करीब चार वर्षों में अंतरिक्ष स्टार्टअप की संख्या इकाई अंक से बढ़कर तिहरे अंकों में पहुंच गई है। सिंह ने कहा, मोदी सरकार के प्रयासों से देश 10 साल से कम अवधि में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में कामयाब रहा।उम्मीद है कि इस साल हम चौथी व मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी बन जाएंगे। सरकार ने 2047 तक भारत को दुनिया की नंबर-1 अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार देश के युवाओं को पीएम के रूप में मोदी ने यह समझाने का प्रयास किया कि रोजगार सिर्फ सरकारी नौकरी तक सीमित नहीं है।

ऑटिज्म से पीड़ित थे जेंसन, हार नहीं मानीं और बने टेनिस खिलाड़ी

न्यूयॉर्क. एजेंसी

अमरीका के पेशेवर टेनिस खिलाड़ी जेंसन ब्रूक्सबी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि वे ऑटिज्म से पीड़ित हैं और चार साल की उम्र तक बोल नहीं पाते थे। एटीपी रैंकिंग में 33वें नंबर के खिलाड़ी जेंसन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी कर बताया कि कैसे टेनिस ने उनके जीवन को नई राह दिखाई, जिस पर चलकर वे अपनी बीमारी से काफी हद तक उबरने में सफल रहे। 24 वर्षीय अमरीकी खिलाड़ी ने अपनी इस सफलता का सारा श्रेय माता-पिता को दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे माता-पिता ने कभी हार नहीं मानी और मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जेंसन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिख इसका खुलासा किया। उन्होंने लिखा, अब समय आ गया है कि मैं कुछ ऐसा साझा करूं,जिसके बारे में मैंने अब तक चुप्पी साधे रखी। मुझे बहुत कम उम्र में ही इस गंभीर बीमारी का पता चल गया था। मैं चार साल की उम्र तक बोल नहीं पाता था। इसके लिए मुझे हर सप्ताह करीब 40 घंटे की गहन थैरेपी से गुजरना पड़ता था। मेरे माता-पिता ने हमेशा मेरा हौंसला बढ़ाया और मुझे ये सब सहने की हिम्मत दी। जेंसन ने बताया कि ऑटिज्म से उबरने में खेलों ने उनकी बहुत मदद की है। उन्होंने कहा, मैं टेनिस के अलावा बास्केटबॉल, तैराकी व एथलेटिक्स में भी व्यस्त रहता था, जिससे मेरी ऊर्जा सही जगह खर्च हो सके। मेरी मां ने हर कदम पर मेरा साथ दिया। मैं आज जहां हूं, उनके बिना यह संभव नहीं होता। मैंने अपनी यह कहानी इसलिए साझा की है ताकि मेरे जैसे कई युवा प्रेरित हो सकें। 2021 में यूएस ओपन के चौथे दौर तक पहुंचकर जेंसन ने अपनी श्रेष्ठता साबित की।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

निर्देशक सुदीप्तो सेन का नाम दौड़ में सबसे आगे

खुल ही गया 'चांदनी बार' की सीक्वल का राज

मधुर भंडारकर को हिंदी सिनेमा का नामचीन निर्देशक बना देने वाली फिल्म 'चांदनी बार' (2001) की कहानी अब आगे बढ़ने वाली है। वैसे तो इस फिल्म का रीमेक बनाने का दावा तमाम लोग तमाम बार कर चुके हैं, लेकिन अब खबर है कि इस फिल्म के निर्माता आर मोहन और उनके बेटे अमित मोहन ने इसकी सीक्वल की कहानी करीब करीब फाइनल कर ली है। इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि फिल्म 'चांदनी बार' के बौद्धिक संपदा अधिकार इसके मूल निर्माताओं के पास ही है और इसकी सीक्वल बनाने के लिए फिल्म निर्देशक सुदीप्तो सेन के साथ उनकी बातचीत भी अंतिम दौर में चल रही है। मोहन परिवार और सुदीप्तो सेन के बीच चल रही बातचीत की जानकारी वैसे तो हिंदी फिल्म जगत के अपर सर्किल के कई लोगों को बीते कुछ महीनों से रही है, लेकिन इस बारे में कोई भी आधिकारिक बात सुदीप्तो ने अब तक नहीं की है। अपनी कंपनी सिपिंग टी के बैनर तले बनी फिल्म 'चरक' की एक टेक्निकल स्क्रीनिंग के दौरान इस बारे में सुदीप्तो से कुछ लोगों ने बात की थी और ये बात वहीं से लीक हो गई। सुदीप्तो के करीबी सूत्र बताते हैं कि इसे लेकर उनके पास और अमित मोहन के पास मीडिया जगत के तमाम लोग लगातार फोन करते रहे हैं लेकिन दोनों पक्षों ने बिना कागजी कार्यवाही पूरे हुए फिल्म 'चांदनी बार 2' के बारे में कुछ भी कहने से इन्कार ही किया है। फिल्म की कास्टिंग पर भी सुदीप्तो की टीम अरसे से काम करती रही है। फिल्म 'चांदनी बार' में मुमताज का किरदार तब्बू ने ही निभाया था और उनसे भी इस बारे में सुदीप्तो की टीम की बात होती रही है। तब्बू को इस फिल्म के लिए अभिनय का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला, फिल्म ने तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और भी जीते थे।

शेखर ने कहा- ये एक्टर्स दिख-दिख के परेशान हैं और लोग इन्हें देख के

बॉलीवुड एक्टर शेखर आखरी बा सुमन संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में नजर आए थे। एक्टर सीरीज में 'जुल्फीकार' का किरदार निभाया था। उनके साथ उनके बेटे अध्ययन सुमन भी सीरीज में दिखाई दिए थे। हाल ही में शेखर सुमन ने आजकल के नए यंग एक्टर्स पर तंज किया है और कहा है कि जब वे कहीं स्पॉट होते हैं तो हैरान होने की एक्टिंग करते हैं. बॉलीवुड नाउ को दिए एक इंटरव्यू में शेखर सुमन ने कहा- इस दौर में कई अच्छी चीजें भी हैं. लेकिन कमियां भी हैं. ये सभी नए यंग एक्टर्स अपनी जिंदगी में बहुत जल्द पॉपुलैरिटी चाहते हैं. उन्हें रातों-रात स्टारडम चाहिए, वे हर जगह नजर आना चाहते हैं, हर कोई उनके बारे में बात करे, रीलें बन रही हैं. दिख-दिख के परेशान हैं और लोग देख-देख के परेशान हैं.

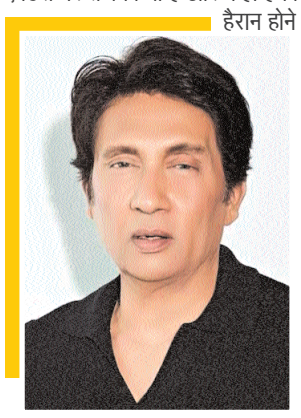

हर जगह सरप्राइज होने की एक्टिंग करते हैं...

शेखर ने आगे कहा- उन्हें (एक्टर्स को) उनके घर, एयरपोर्ट और जिम में स्पॉट किया जा रहा है और हर जगह सरप्राइज होने की एक्टिंग करते हैं जैसे कि उन्हें नहीं पता था कि लोग वहां आने वाले हैं, जबकि उन लोगों को खुद उन्होंने बुलाया होता है. शेखर सुमन ने आगे अपनी पहली फिल्म को लेकर भी बात की और रेखा, शशि कपूर और गिरीश कर्नाड का शुक्रिया भी अदा किया. शेखर सुमन ने कहा, रेखा उस समय एक बड़ी स्टार थीं और उनके पास किसी न्यूकमर के साथ काम करने की कोई वजह नहीं थी. लेकिन फिर भी उन्होंने मेरे साथ फिल्म करना चुना.

अमिताभ बच्चन ने जिमी शेरगिल से कहा- आप बहुत ही अद्भुत मेथड एक्टिंग कर रहे हैं...

बॉलीवुड अभिनेता जिमी शेरगिल इन दिनों वेब सीरीज 'रणनीति-बालाकोट एंड बियॉन्ड' की वजह से सुर्खियां बटोर रहे हैं। दर्शकों को उनका यह शो काफी पसंद भी आ रहा है। वहीं जिमी एक इंटरव्यू के दौरान पुराने दिनों को याद करते दिखे। साथ ही साथ उन्होंने यह भी बताया कि वे पहली बार अमिताभ बच्चन से कब और कैसे मिलें। जिमि शेरगिल ने फिल्म 'मोहब्बतें' से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में वे अमिताभ बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ नजर आए थे। पुराने दिनों को याद करते हुए जिमि शेरगिल कहते हैं, मैं आखिरी शख्स था जिसे 'मोहब्बतें' के लिए चुना गया था। मुझसे पहले उदय चोपड़ा और जुगल हंसराज फिल्म के लिए चुन लिए गए थे। जिमि शेरगिल आगे कहते हैं, यश चोपड़ा और आदित्य चोपड़ा 'करण' के किरदार के लिए हीरो को नहीं फाइनल कर पा रहे थे और शायद मेरी किस्मत में यह रोल था इसलिए मुझे यह फिल्म मिल गई। बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार अमिताभ बच्चन के संग अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए जिमि शेरगिल कहते हैं, जब फिल्म के लिए सब कुछ फाइनल हो गया तब यश अंकल के घर पर हवन का आयोजन किया गया था। मुझे याद है कि मैं कहीं गिर गया था और मेरे हाथ में चोट लग गई थी और मुझे 55 टांके लगे थे। मैं वैसे ही उनके घर पहुंचा था। जिमि शेरगिल अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, मुझे लग रहा था कि मैं फिल्म के लिए कोई ट्रेनिंग नहीं कर पाऊंगा। मैं काफी डरा हुआ था। तभी आदित्य चोपड़ा वहां आए और उन्होंने मुझे अमिताभ बच्चन से मिलवाते हुए कहा, ये फिल्म में 'करण' के किरदार को निभा रहे हैं। फिर अमिताभ बच्चन मेरी तरफ देखते हुए बोले आप अद्भुत मेथड एक्टिंग कर रहे हैं। अभी से हाथ कटवाने लग गए। एक पल के लिए मुझे समझ ही नहीं आया कि क्या हो रहा है और वे ऐसा क्यों बोल रहे हैं। फिर मुझे याद आया कि फिल्म में 'करण' बार-बार अपनी कटी हथेली लेकर प्रीति के पास जाता है। उस दिन उनसे मिलने के बाद मैं काफी सामान्य महसूस कर रहा था।

जिलाबदर आरोपी, युवती के साथ मिलकर कर रहा था तस्करी

दंपती बनकर ट्रॉली बैग से गांजे की तस्करी, साढ़े 6 किलो गांजा बरामद

क्राइम ब्रांच ने सूचना मिलने पर गौतम नगर में मैदान से किया गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

क्राइम ब्रांच पुलिस ने एमपी नगर स्थित यस बैंक के सामने मैदान से गौतम नगर थाने के निगरानी बदमाश और उसकी साथी महिला को गिरफ्तार कर साढ़े 6 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है।

दोनों आरोपी कपल बनकर ट्राली बैग में गांजा रखकर तस्करी कर रहे थे, ताकि पुलिस को संदेह न हो। मुख्य आरोपी को अगस्त 2024 में एक साल के लिए जिलाबदर किया गया था।

उड़ीसा से सस्ते में गांजा लाकर यहां महंगा बेचता था

इसके बाद भी वह इलाके में रहकर गांजे की तस्करी कर रहा था। आरोपी उड़ीसा से सस्ते में गांजा लाकर यहां महंगे दाम में बेच रहा था।

क्राइम ब्रांच के अनुसार मुखबिर की सूचना पर एमपी नगर स्थित यस बैंक के सामने खाली पड़े मैदान में पेड़ के नीचे से एक युवक व युवती को हिरासत में लिया था।

उनके पास ट्राली बैग भी था। ट्राली बैग की तलाशी ली तो उसमें कुल छह पैकेट में रखा 6 किलो 550 ग्राम गांजा रखा मिला। आरोपियों की पहचान अनस उर्फ दाना (32) निवासी आरिफ नगर व कामना यादव उर्फ खुशी (22) निवासी कृष्णपुरा वार्ड टिकारी मोहल्ला बैतूल के रूप में की गई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से उनके दो मोबाइल भी जब्त किए हैं।

एक साल के लिए जिलाबदर है निगरानी गुंडा

पूछताछ में पता चला कि आरोपी अनस उर्फ दाना पर बीस अपराध दर्ज है। गौतम नगर थाने के निगरानी बदमाश पर 5 अगस्त 2024 पर जिलाबदर की कार्रवाई की थी। बावजूद इसके आरोपी इलाके में रहकर तस्करी कर रहा था। पुलिस कमिश्नर के आदेश का उल्लंघन करने के मामले में आरोपी अनस के खिलाफ एनएसए की कार्रवाई की गई है।

अपराध को अंजाम देने से पहले बदमाश दबोचा, सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल बरामद

भोपाल। क्राइम ब्रांच ने अवैध सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल के साथ बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी किसी गंभीर अपराध को अंजाम देने के इरादे से लेकर जा रहा था। क्राइम ब्रांच ने बताया कि आरोपी से आगे की पूछताछ की जा रही है ताकि पता चल सके कि उसके पास बंदूक कहां से आई है। एसीपी मुख्तार कुरैशी ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली थी कि जहांगीराबाद स्थित स्लॉटर हाउस के पास एक व्यक्ति अवैध बंदूक के साथ मौजूद है। क्राइम ब्रांच की टीम ने मौके पर छापा मारा और संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान जिंसी निवासी इमरान अहमद (54) के रूप में हुई। इमरान के पास से एक देसी सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल और कारतूस बरामद हुए। जांच में पता चला कि इमरान के खिलाफ दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस को संदेह है कि इमरान ने यह पिस्टल खरगोन जिले के हथियार डीलरों से खरीदी थी। पुलिस आगे के नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है।

जमीन पर कब्जे का विवाद कार और ट्रैक्टर में तोड़फोड़

खजूरी सड़क के गांव नरेला में परिवार के दर्जनभर लोगों ने किया बलवा, मारपीट

भोपाल। खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित गांव नरेला में शनिवार रात जमीन पर कब्जे की बात को लेकर एक ही परिवार के लोगों ने आधा दर्जन लोगों से लाठी और डंडे से मारपीट कर दी। गुस्साए परिवार के लोगों ने ट्रैक्टर और कार में भी तोड़फोड़ की है। पुलिस ने उक्त मामले में परिवार पर बलवा, मारपीट और तोड़फोड़ की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। एसआई संतराम खन्ना ने बताया कि आकाश त्रिपाठी ई-टू अरेरा कॉलोनी में रहते हैं और बिजनेसमैन शैलेंद्र पटेल की कंपनी में नौकरी करते हैं। शैलेंद्र पटेल की कंपनी ने खजूरी सड़क की ग्राम नरेला में पंद्रह एकड़ भूमि खरीदी थी। भूमि पर मकान भी बना हुआ है। उक्त भूमि पर स्वर्गीय भागीरथ वर्मा के रिश्तेदारों का कब्जा है। रिश्तेदारों ने जमीन पर गेहूं बोया था और कट चुका है। अपनी जमीन पर कब्जा लेने के लिए शैलेंद्र पटेल ने कंपनी के कर्मचारी आकाश त्रिपाठी समेत सात लोगों को भेजा था। सभी लोग कार और ट्रैक्टर लेकर शनिवार शाम पहुंचे। इस दौरान वर्मा परिवार का कहना था कि गेहूं कट गया है और भूषा निकलना बाकि है। भूषा निकलने के बाद आप जमीन पर कब्जा कर लेना। इधर आकाश त्रिपाठी और उनके साथियों का कहना था कि मालिक ने अभी कब्जे की बात कही है। मालिक ने कहा है कि जितना भूषा यहां से निकलेंगा उससे डबल भूषा वह लाकर देंगे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। **पुलिस के लौटने के बाद विवाद:** विवाद की सूचना मिलते ही खजूरी सड़क थाना प्रभारी और पुलिसबल मौके पर पहुंचा था। करीब 9 बजे दोनों पक्षों को समझाइश देने के बाद पुलिस लौट आई। पुलिस के लौटने के तीस मिनट बाद दोनों पक्षों में विवाद बड़ गया। विवाद बड़ने पर वर्मा परिवार ने आकाश त्रिपाठी और उनके साथियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इतना ही नहीं उन्होंने ट्रैक्टर और कार में भी तोड़फोड़ की है। मारपीट और विवाद में आकाश त्रिपाठी और उनके साथियों को मामूली चोट है।

वृद्धा ने दवा के धोखे में खाया चूहामार, मौत

शुगर बढ़ने पर डॉक्टर ने गठिया की दवा लेने से किया था मना

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित संजय नगर में दवाई के धोखे में बुजुर्ग महिला ने शुक्रवार रात चूहामार खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां शनिवार शाम उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार संजय नगर मिसरोद गांव निवासी ओमप्रकाश पाटीदार खेती-किसानी करते हैं। उनकी पत्नी सरजू पाटीदार (55) पिछले 10-12 साल से गठिया के रोग से पीड़ित थीं। उनके हाथ-पैरों में बहुत पीड़ा होती थी। गठिया के लिए एलोपैथिक व आयुर्वेदिक समेत हर प्रकार का इलाज कराया गया लेकिन कोई खास फायदा नहीं हुआ। दवा खाने पर उन्हें दर्द में आराम मिल जाता था लेकिन दवा का असर खत्म होते ही पीड़ा होने लगती थी। एएसआई भागीरथ राय ने बताया कि बीते दो-तीन माह से सरजू पाटीदार का शुगर लेवल बड़ गया था। किसी दूसरे डॉक्टर को बताने पर उसने कहा था कि गठिया की दवा खाने से शुगर लेवल बड़ रहा था। इसलिए कुछ दिन के लिए गठिया की दवा खाना छोड़ दो। लिहाजा सरजू पाटीदार इन दिनों गठिया की दवा नहीं खा रही थीं। अपने मृत्युपूर्व बयान में महिला ने बताया था कि विगत 21 मार्च की रात सोते समय उन्हें हाथ-पैरों में बहुत दर्द हो रहा था। दर्द के मारे उन्हें नींद नहीं आ रही थी। इसलिए वह गठिया की दवा खोजने लगीं। इस बीच उन्हें एक पुड़िया मिली। उन्होंने पुड़िया में रखी दवा खा ली। कुछ देर बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी। लगातार उल्टियां होने पर उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान पता चला कि उन्हें दवा के धोखे में चूहेमार दवा खा ली थी।

कचरे के ढेर में नवजात को छोड़ गई मां, बोरी में लिपटा रोता बिलखता मिला मासूम

दो दिन पहले ही ईंटखेड़ी में मिला था नवजात

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित पीले क्वार्टर, प्राइमरी स्कूल के पास अज्ञात मां नवजात शिशु को कचरे के ड़ेर में छोड़कर चला गया। शनिवार सुबह वहां से गुजर रहे एक ड्राइवर ने बच्ची के रोने की आवाज सुनी थी। वह कचरे के ढेर के पास पहुंचा तो बोरी में लिपटा बच्चा नजर आया। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्चे को कमला नेहरू अस्पताल में भर्ती करा दिया है। बच्ची की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले ही गुरुवार को ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित लांबाखेड़ा दुर्गा मंदिर के पास से एक नवजात बच्चा झाड़ियों से बरामद किया था।

एएसआई राम प्रकाश भारती ने बताया कि ड्राइवर मुश्ताक खान निजी वाहन चलाते हैं। शनिवार सुबह वह बीएमडब्ल्यू कार लेकर जा रहे थे। पीली क्वार्टर प्राथमिक शाला के पास उन्हें लघुशंका लगी और वह कचरे के ढेर की तरफ बड़ने लगी। इसी बीच उन्हें कचरे के ढेर से बच्चे के रोने की आवाज आई। उन्होंने देखा तो कचरे के ढेर पर बच्चा बोरी में लिपटा हुआ था। उन्होंने तत्काल डायल 100 पर की थी। पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चे को कमला नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया। बच्चे तुरंत जन्मा प्रतीत हो रहा है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

दो दिन पहले झाड़ियों में मिला था नवजात

एसआई रिंकू जाटव ने बताया कि समीर मंसूरी, कबाड़खाना, हनुमानगंज में रहते हैं। गुरुवार शाम वह ईंटखेड़ी स्थित लीलावती अस्पताल जा रहे थे। उनके साथ उनकी पत्नी और बच्चा था। शाम करीब सवा 7 बजे लांबाखेड़ा में दुर्गा मंदिर के पास पहुंचते ही मुख्य सड़क से उन्हें बच्चे के रोने की आवाज आई। वे आवाज सुनकर सड़क से पचास मीटर अंदर झाड़ियों की तरफ पहुंचे तो उन्हें एक बच्चा रोता बिलखता हुआ नजर आया। वे बच्चे को उठाकर तत्काल अस्पताल पहुंचे। इसकेबाद अपने घर पहुंचे और हनुमानगंज पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज केस डायरी ईंटखेड़ी पुलिस को सौंप दी थी। पुलिस ने मंदिर और आसपास सीसीटीवी कैमरे की तलाश कर रही है।

पुराने प्रकरण में समझौता करने की नियत से खुद जांघ में मारी थी गोली

पुलिस ने किया आरोपी के खिलाफ दर्ज हत्या के प्रयास का प्रकरण

रातीबड़ पुलिस को दी हमले की सूचना, शराब कंपनी के कर्मचारियों का है विवाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विदिशा की शराब कंपनी के लिए काम करने वाले कर्मचारियों ने हत्या के प्रयास के पुराने प्रकरण में समझौता करने की नियत से अपने दोस्त की जांघ में गोली मार दी थी। ताकि फरियादी को झूठे मामले में फंसाया जा सके। संदेह होने पर रातीबड़ पुलिस ने मामले की जांच की और झूठी साजिश का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने खुद को गोली मारने वाले आरोपी समेत तीन दोस्तों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 14 मार्च की रात करीब साड़े 8 बजे हमीदिया अस्पताल से सूचना मिली कि शैलेन्द्र राजपूत (30) हसनपुर विदिशा को इलाज के लिए उसका दोस्त विकास तिवारी अस्पताल लेकर आया है। उसके दाहिने पैर में गोली लगी है। उसने बताया कि 14 मार्च होली पर शाम करीब 6 बजे केरवा डैम घूमने गए थे। वहां किसी व्यक्ति ने पैर में गोली मार दी। सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और शैलेन्द्र व विकास से पूछताछ की। पूछताछ के बाद पुलिस को घटना को लेकर संदेह हुआ। आला अधिकारियों को स्थिति से अवगत कराया गया। थाना प्रभारी एसआई रासबिहारी शर्मा के नेतृत्व में तीन टीमें बनाकर मामले की विवेचना शुरू की गई। संदेहियों के आने-जाने के रास्तों व उनकी गतिविधियों को बारीकी से अवलोकन किया गया। भोपाल समेत आसपास के जिलों विदिशा व रायसेन के प्रमुख मार्गों पर लगे करीब 1000 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक कर लोकल इंटेलीजेंस भी हरकत में आ गया।

जांघ में फंसी थी गोली

पुलिस ने जांच की तो पता चला कि शैलेन्द्र राजपूत (30) और संजय नामदेव (46) निवासी वार्ड नंबर 22 विदिशा और विकास तिवारी निवासी विदिशा ने पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए षडयंत्र रचा था। सख्ती से पूछताछ करने पर पता चला कि तीनों दोस्तों ने मिलकर विकास तिवारी की गाड़ी में बैठकर घटना को अंजाम दिया है। शैलेन्द्र सिंह की दाहिने पैर की जांघ में गोली धंसी थी। हमीदिया अस्पताल में आपरेशन के बाद गोली को निकाला गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों विकास तिवारी, शैलेन्द्र राजपूत व संजय नामदेव को गिरफ्तार कर लिया है।

बयान विरोधाभाष से फंसे

जांच में यह बात सामने आई कि घटना होली के दिन की है। तीनों आरोपी शैलेन्द्र, विकास व संजय शराब के नशे में धुत थे। पूछताछ करने पर पुलिस को संदेह हुआ। तीनों दोस्तों से अलग-अलग पूछताछ की गई। इनमें से एक आरोपी पूरी तरह खामोश रहा जबकि दो आरोपी बार-बार अपने बयान बदलते रहे। सीसीटीवी फुटेज में भी कैरवा डैम और आसपास हमलावरों की कोई गतिविधि नजर नहीं आई। सख्ती से पूछताछ करने पर तीनों दोस्तों ने झूठी साजिश रचने का खुलासा कर दिया। पुलिस ने बताया कि साल 2023 में विकास तिवारी व साथियों ने दूसरी शराब कंपनी के कर्मचारी बृज राज यादव के साथ मारपीट की थी। पुलिस ने बृजराज यादव की शिकायत पर विकास तिवारी के खिलाफ हत्या का प्रयास का प्रकरण दर्ज किया था। मामले कोर्ट में लंबित है। विकास तिवारी चाहता था कि वह प्रकरण दर्ज करा दे ताकि बृजराज और उसके साथी महेश त्रिपाठी को फंसाया जा सके और वह मामले में समझौता करने के लिए मजूबर हो जाए।

देरी से पहुंचे कर्मचारी को बेस्ट प्राइज के मैनेजर ने पीट-पीटकर नाक फोड़ी

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र के करोंद स्थित बेस्ट प्राइज में कर्मचारी के साथ मैनेजर ने गाली-गलौज कर मारपीट कर दी। वह महज 10 मिनट देरी से पहुंचा था। उसी बात को लेकर विवाद हुआ और गाली-गलौज करते हुए उसने कर्मचारी के साथ मारपीट कर दी। कर्मचारी की नाक पर किसी भारी वस्तु से प्रहार करने के कारण वह लहूलुहान हो गया। मैनेजर ने भी कर्मचारी पर मारपीट का आरोप लगाया है। निशातपुरा पुलिस ने दोनों ओर से मारपीट की धाराओं के तहत उभयपक्षीय प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि शिव नगर निवासी उमाशंकर चौरसिया (40) बेस्ट प्राइज स्टोर करोंद में मार्केटिंग का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि मैनेजर गुलाब सिंह अक्सर टॉरगेट को लेकर अभद्रता करते थे और समय पूरा होने के बाद भी अधिक देर तक काम कराते थे। शनिवार को थोड़ा लेट होने पर गुलाब सिंह ने गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर मारपीट कर दी। मारपीट करने के बाद उमाशंकर काके लहूलुहान हालत में स्टोर से बाहर निकाल दिया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराने के बाद फरियादी उमाशंकर रिपोर्ट दर्ज कराने निशातपुरा थाने पहुंचे। पुलिस का कहना है कि मैनेजर गुलाब सिंह ने भी उमाशंकर के खिलाफ मारपीट का आरोप लगाते हुए शिकायती आवेदन दिया है। टीआई रूपेश दुबे के अनुसार दोनों पक्षों में सैलरी को लेकर भी विवाद सामने आया है। फिलहाल पुलिस ने उमाशंकर चौरसिया की शिकायत पर गुलाब सिंह व मैनेजर गुलाब सिंह की रिपोर्ट पर उमाशंकर चौरसिया के विरूद्ध मारपीट समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

पैंतीस हजार का फरार इनामी वारंटी हरियाणा से गिरफ्तार

भोपाल। जीआरपी भोपाल ने पिछले दस सालों से बारह मामलों में फरार चल रहे वारंटी को हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर कुल पैंतीस हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस अधीक्षक रेल राहुल कुमार लोढ़ा द्वारा फरार चल रहे वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। इसके तहत जीआरपी भोपाल थाना प्रभारी जहीर खान के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई थी। टीम ने फरार वारंटी उमेद पुत्र रामकुमार सांसी (48) निवासी ग्राम अशरफगढ़, थाना सदर जिला जिन्द हरियाणा को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ 10 साल पुराने मामलों के 12 वारंट थे। उस पर पिछले छह महीने से लगातार निगरानी रखी जा रही थी। लोकेशन मिलते ही पुलिस टीम ने दबिश देकर सेक्टर 11 फरीदाबाद हरियाणा से उसे गिरफ्तार कर लिया। टीआई खान ने बताया कि आरोपी उमेद सांसी 7 सदस्यीय गैंग का सदस्य है, जो जीआरपी भोपाल का गैंग हिस्ट्रीशीटर है। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर दर्जन भर से अधिक मामलों में ट्रेनों में चोरी के गंभीर अपराध किये हैं। इनमें 2 स्थायी वारंट जीआरपी इटारसी के भी शामिल है। वारंटी उमेद सांसी को समयावधि के भीतर न्यायालय भोपाल पेश किया गया है।

मेट्रो एंकर दो साल से बेटी के संपर्क में था डॉक्टर, पूछताछ के लिए राजस्थान जाएगी पुलिस

परिजन बोले-सुसाइड नोट में बेटी की नहीं है राइटिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित स्प्रिंग व्हेली में शनिवार सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाली नर्सिंग ऑफिसर का शव रविवार को पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। नर्सिंग ऑफिसर के पिता नहीं है। मां और भाई भाभी झांसी से भोपाल पहुंचे थे। परिजन बताया कि बेटी दो साल से राजस्थान के एक डॉक्टर के संपर्क में थी।

एम्स की नर्सिंग ऑफिसर की आत्महत्या का मामला

उसकी डॉक्टर से मोबाइल पर वीडियो कॉलिंग और चेटिंग समेत बातचीत होती थी। इस बारे में बेटी ने भी उन्हें बताया था। परिजन का कहना है कि उनकी बेटी फांसी लगाकर आत्महत्या नहीं कर सकती। उसके साथ कुछ तो गलत हुआ है। परिजन ने हत्या की आशंका जताई है। हालांकि घटनास्थल का निरीक्षण करने और हालात देखकर पुलिस को प्रथम दृष्टया मामला सुसाइड से ही जुड़ा नजर आ रहा है। परिजन ने यह भी आरोप लगाए हैं कि सुसाइड नोट दीपिका ने नहीं लिखा है जो हेंडराइटिंग सुसाइड नोट में लिखी है वह उसकी नहीं है। पुलिस सुसाइड नोट की जांच हेंड राइटिंग एस्पर्ट से करा रही है। थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल शुक्ला ने बताया कि जल्द ही एक टीम राजस्थान जाएगी और डॉक्टर से पूछताछ करेगी। पुलिस अब सुसाइड हेंड राइटिंग एक्सपर्ट और दीपिका के मोबाइल की जांच सायबर पुलिस से करा रही है। उसके मोबाइल की सीडीआर भी निकलवाई जा रही है।

उल्लेखनीय है कि दीपिका साहू पिता घनश्याम दास साहू (26) सदर बाजार, झांसी की थी। वह स्प्रिंग व्हेली में पांचवे फ्लौर पर किराए के फ्लैट में रह रही थी और एम्स के कैंसर डिपार्टमेंट में नर्सिंग ऑफिसर थी। शनिवार को दीपिका की लाश उसके फ्लैट के बेडरूम में फांसी के फंदे पर लटकी मिली थी।

फ्लैट का सेंटर लॉक अंदर बंद था। पुलिस ने उसके पास से एक पत्रे का सुसाइड नोट भी बरामद किया था, जिसमें उसने लिखा था कि वह तनाव में है इसलिए आत्महत्या कर रही है। पुलिस ने उसके मोबाइल पर वाट्स एप्प चेटिंग देखी थी। पता चला कि वह राजस्थान एक डॉक्टर के संपर्क में थी।

दोनों में गहरी दोस्ती थी और दोस्ती तोड़ने का मैसेज भी मोबाइल में मिला था। एक अनुमान है कि दोस्ती टूटने से दुखी दीपिका ने आत्महत्या की है। पुलिस मर्ग कायम सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

पुराने शहर के बाजारों में आज से नो एंट्री, ईद पर आंतरिक बाजार में उमड़ेगी काफी भीड़भाड़

भोपाल। ईद के त्यौहार पर पुराने शहर के जुमेराती, चौक बाजार समेत प्रमुख इलाकों में आमजन का आवागमन सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। लोगों को आवाजाही में परेशानी न हो, इसके लिए यातायात पुलिस ने ट्रैफिक प्लान तैयार किया है। पुराने शहर के आंतरिक बाजार क्षेत्र जनकपुरी, जुमेराती, छोटे भैया चौराहा, घोड़ा नक्कास चौराहा, हनुमानगंज, आजाद मार्केट में भोपाल शहर के अलावा अन्य आसपास के शहरों व देहात से भी आम नागरिक खरीदी करने आएंगे। इसके चलते आज 24 मार्च से आगामी 30 मार्च तक पुराने शहर में यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। आज से बाजार क्षेत्र में यातायात का अत्याधिक दबाव होने पर कोई भी लोडिंग वाहन, ऑटो रिक्शा, चार पहिया वाहन आंतरिक बाजार क्षेत्र जनकपुरी, जुमेराती, छोटे भैया चौराहा, घोड़ा नक्कास चौराहा, हनुमानगंज, आजाद मार्केट में प्रवेश नहीं करेंगे। करोंद, डीआईजी बंगला, सिंधी कॉलोनी, शाहजहांनाबाद की ओर से आने वाले सभी चार पहिया वाहन आंतरिक बाजार क्षेत्र में प्रवेश नहीं होंगे। यह वाहन भोपाल टाकीज चौराहे से बाल विहार ग्राउण्ड में पार्क किये जा सकेंगे। भारत टाकीज की ओर से बाजार में आने वाले सभी दोपहिया वाहन सेन्ट्रल लायब्रेरी मैदान में पार्क किये जाएंगे। संगम टॉकीज की ओर से सब्जी मण्डी होकर बाजार आने वाले चार पहिया व तीन पहिया वाहन सब्जी मण्डी रिक्त प्रांगण में पार्क किये जाएंगे। लखेरापुरा, रंजन पेन कार्नर, इतवारा, मारवाड़ी रोड, इब्राहिमपुरा से किसी भी प्रकार के चार पहिया, तीन पहिया वाहन चौक बाजार की ओर नहीं जाएंगे। यह वाहन सरस्वती प्रशासन के पास मल्टीलेवल पार्किंग एवं सदर मंजिल के पास स्थित पार्किंग कर सकेंगे। इसी प्रकार चौक बाजार में भीड़ होने की स्थिति में दोपहिया वाहन भी परिवर्तित किये जावेंगे। यह वाहन सरस्वती प्रशासन के पास मल्टीलेवल पार्किंग एवं सदर मंजिल के पास स्थित पार्किंग में पार्क किए जाएंगे। यातायात पुलिस ने व्यापारियों से भी अपील की है कि वाहनों से सामान लोडिंग व अनलोडिंग का कार्य रात्रि 12 से सुबह 7 बजे तक ही करना सुनिश्चित करें। भीड़ के चलते पार्किंग की असुविधा से बचने के लिए सार्वजनिक यात्री वाहनों का इस्तेमाल करें।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022